गांधी जी के सुविचार

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

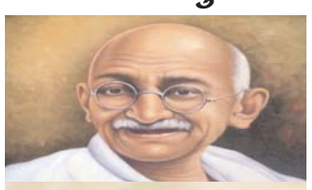

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-204 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 23 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

वंदे मातरम् विवाद पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी, कहा-अंतरात्मा के आधार पर आपत्ति पर नहीं हो सकते दंडात्मक परिणाम

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि संवैधानिक अदालतों का अस्तित्व और संविधान के प्रति उनकी निष्ठा गैर-संवैधानिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई पर निर्भर करती है। यह टिप्पणी कर्नाटक के संगीतकार टी.एम. कृष्णा की उस याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आई, जिसमें आधिकारिक कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के सभी छह छंदों का गायन अनिवार्य करने और इसके उल्लंघन पर दंडात्मक प्रावधान किए जाने को चुनौती दी गई है। सुनवाई के दौरान 'नक्सली' शब्द के इस्तेमाल को लेकर भी अदालत में तीखी बहस हुई। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एस. मुरलीधर और अधिवक्ता प्रसन्ना एस. ने पक्ष रखा। पीठ ने मामले में केंद्र सरकार का पक्ष जानने की आवश्यकता जताई, हालांकि अभी केंद्र को औपचारिक नोटिस जारी नहीं किया गया है। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि अदालतों ने लगातार संविधान से बाहर की शक्तियों के खिलाफ संघर्ष किया है। पीठ ने कहा कि संवैधानिक अदालतें, गैर-कानूनी समूहों द्वारा संचालित कथित 'कंगारू अदालतों' के विपरीत, आतंकवाद के आरोपियों को भी कानून के तहत समान अधिकार प्रदान करती हैं। न्यायपालिका कानून के शासन की अंतिम ढाल है। टी.एम. कृष्णा ने 'वंदे मातरम' को दंडात्मक संरक्षण देने वाले राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2026 तथा आधिकारिक कार्यक्रमों में इसके सभी छह छंदों के गायन संबंधी गृह मंत्रालय के निर्देशों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। पीठ ने स्पष्ट किया कि 'वंदे मातरम' राष्ट्रीय गीत है, इस तथ्य को लेकर कोई विवाद नहीं है। हालांकि, इसके गायन को अनिवार्य करने और उसका पालन नहीं करने पर दंडात्मक परिणाम भुगतने के प्रावधान की संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत मिले मौलिक अधिकारों के संदर्भ में जांच की जा सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बेंगलुरु में ड्रोन कंपनी के प्रतिनिधियों ने वन-टू-वन संवाद किया।

मौसम विभाग ने दी चेतावनी, चक्रवाती तूफान की आशंका, भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली (आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र मंगलवार को गहरे कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया और इसके अगले कुछ घंटों में और मजबूत होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, यह मौसमी तंत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है और 23-24 सितंबर की रात उत्तरी आंध्र प्रदेश तथा दक्षिणी ओडिशा के तटों को पार कर सकता है। इसके प्रभाव से आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना के कई हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम-मध्य और उससे लगे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना यह कम दबाव का क्षेत्र पिछले छह घंटों में करीब 18 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा। मंगलवार सुबह 8:30 बजे यह 17.9 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 86.0 डिग्री पूर्वी देशांतर के आसपास केंद्रित था।

मंगलवार दोपहर एक बजे तक यह गहरा कम दबाव का क्षेत्र विशाखापत्तनम से लगभग 290 किलोमीटर पूर्व में स्थित था। मौसम विभाग के मुताबिक, यह गोपालपुर से करीब 200 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, कलिंगपटनम से 200 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व और पुरी से लगभग 210 किलोमीटर दक्षिण में था।विभाग ने अनुमान जताया है कि यह मौसमी तंत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ता रहेगा और अगले 12 घंटों के दौरान बंगाल की खाड़ी के ऊपर और गहरे कम दबाव के क्षेत्र में बदल सकता है। इसके बाद भी इसके इसी दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है।इस मौसमी तंत्र के प्रभाव से 22 से 25 सितंबर के बीच आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना जताई है।

सेवा संकल्प अभियान में मध्यप्रदेश, देश में प्रथम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में 3 करोड़ 88 लाख दीयें प्रज्ज्वलित किये गये

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के संदर्भ में आरंभ सेवा संकल्प अभियान में मध्यप्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में लगभग 3 करोड़ 88 लाख दीयें सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में प्रज्ज्वलित किये गये। प्रदेश के लगभग 23 हजार आईकॉनिक एवं प्रमुख स्थलों पर रोशनी की गई। उज्जैन में 33 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। प्रदेश में 650 से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित हुए, जिनमें लगभग 11 हजार यूनिट रक्त एकत्र हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह जानकारी मंत्रालय में सम्पन्न हुई मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा मध्यप्रदेश में प्रवेश कर चुकी है। आगामी 24 और 25 सितम्बर प्रधानमंत्री श्री मोदी, यात्रा के प्रतिभागियों से संवाद करेंगे और उनके यात्रा के अनुभव जानेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी मंत्रीगणों को अपने-अपने क्षेत्र में यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन के साथ तैयारियों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 19 से 26 सितम्बर तक भाषण और चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। पहले 03 दिन में 36 हजार से अधिक स्कूल-कॉलेजों के 15 लाख से अधिक विद्यार्थी इनमें भाग ले चुके हैं। स्कूल-कॉलेजों में बड़ी संख्या में इन प्रतियोगिताओं में उर्जा और उत्साह से युवा शामिल हों, यह सुनिश्चित किया जाए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर-भोपाल-इंदौर एक नया इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाया जाएगा। इस कॉरिडोर पर 04 बड़े औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे और उनके साथ इंडस्ट्रियल टाउनशिप भी बनाई जायेगी।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2026: अनंत नाग को मिला दादासाहेब फाल्के पुरस्कार

कार्तिक आर्यन और ममूटी को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार

एकता नगर (गुजरात) (आरएनएस)। भारतीय सिनेमा के प्रतिष्ठित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का भव्य समारोह मंगलवार को गुजरात के एकता नगर (केवडिया) में आयोजित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वर्ष 2024 में प्रदर्शित उत्कृष्ट फिल्मों, कलाकारों और तकनीकी विशेषज्ञों को राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किए। समारोह का सीधा प्रसारण दूरदर्शन नेशनल के यूट्यूब चैनल पर किया गया।समारोह में कन्नड़ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अनंत नाग को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट फिल्मों और कलाकारों को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किए गए।सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार 'आर्टिकल 370' को दिया गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म के रूप में 'कल्कि 2898 एडी' का चयन किया गया। राजकुमार राव अभिनीत 'श्रीकांत' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला और उसे रजत कमल से सम्मानित किया गया।

चार राज्यों में विधान परिषद चुनाव का ऐलान; 23 अक्टूबर को मतदान, 27 को होगी मतगणना

नई दिल्ली (आरएनएस)। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र में विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव का ऐलान कर दिया है। इन चार राज्यों की कुल 28 सीटों पर चुनाव होगा, जहां मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल नवंबर-दिसंबर 2026 में खत्म हो रहा है। चुनाव आयोग ने बताया कि संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आचार संहिता तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। कुल 28 सीटों में से बिहार की 8 सीटें, कर्नाटक की 4 सीटें, महाराष्ट्र की 5 सीटें और उत्तर प्रदेश की 11 सीटें शामिल हैं। बिहार में 4 स्नातक और 4 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव होगा। इनमें पटना स्नातक से नीरज कुमार, दरभंगा स्नातक से सर्वेश कुमार, तिरहुत स्नातक से बंसीधर ब्रजवासी और कोसी स्नातक से डॉ. एनके यादव का कार्यकाल 16 नवंबर को खत्म हो रहा है। वहीं पटना शिक्षक से नवल किशोर यादव, दरभंगा शिक्षक से डॉ. मदन मोहन झा, तिरहुत शिक्षक से संजय कुमार सिंह और सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के सदस्य का कार्यकाल भी इसी दिन समाप्त होगा।

मालवीय नगर अग्निकांड

होटल मालिक को स्वास्थ्य आधार पर चार सप्ताह की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मालवीय नगर के होटल में हुए भीषण अग्निकांड के मामले में होटल मालिक लवकेश बजाज को स्वास्थ्य कारणों के आधार पर चार सप्ताह की अंतरिम जमानत प्रदान की है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने लवकेश बजाज को 25 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के जमानती बंधपत्र पर रिहा करने का आदेश दिया।

अदालत ने अंतरिम जमानत देते हुए लवकेश बजाज के दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से बाहर जाने पर रोक लगा दी है। अदालत की अनुमति के बिना वह दिल्ली-एनसीआर से बाहर नहीं जा सकेंगे। न्यायालय ने जमानत के आदेश में उनके स्वास्थ्य से संबंधित चिकित्सकीय रिपोर्ट पर भी विचार किया।

अदालत के समक्ष प्रस्तुत चिकित्सकीय रिपोर्ट के अनुसार, लवकेश बजाज के पेट की 31 अगस्त को बड़ी शल्य चिकित्सा हुई थी। इसके बाद उन्हें 15 सितंबर को अस्पताल से छुट्टी दी गई। रिपोर्ट में उनके स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य जटिलताओं की आशंका जताई गई है और उनके लिए लगातार चिकित्सकीय निगरानी एवं प्रबंधन की आवश्यकता बताई गई है।

बिहार में नाबालिग के उत्पीड़न का वीडियो साझा करने वाले 120 सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं पर मुकदमा

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उठाया सवाल

जमुई (आरएनएस)। बिहार के जमुई में नाबालिग किशोरी के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामले में पुलिस ने घटना का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित कर पीड़िता की पहचान उजागर करने के आरोप में 120 उपयोगकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जमुई के पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल ने लोगों से अपील की है कि वे नाबालिग पीड़िता से संबंधित वीडियो को सामाजिक माध्यमों पर साझा या प्रसारित न करें। उन्होंने कहा कि पीड़िता की पहचान उजागर करना गंभीर अपराध है।

पुलिस के अनुसार, घटना शनिवार 19 सितंबर की शाम की है। कक्षा 10 में पढ़ने वाला एक किशोर अपनी महिला मित्र के साथ जमुई के एक लोकप्रिय पहाड़ी पर्यटन स्थल से स्कूटर से लौट रहा था। इसी दौरान कुछ युवकों ने उनका पीछा किया और रास्ते में स्कूटर रोक लिया। आरोप है कि युवकों ने दोनों को गालियां दीं और स्कूटर से उतरने के लिए मजबूर किया। इसके बाद किशोरी के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया, जबकि उसके साथ मौजूद किशोर से मारपीट की गई।घटना का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। वीडियो को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आईं और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के इस्तीफे की मांग की गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है।पुलिस के मुताबिक, घटना के संबंध में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले की विस्तृत जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन भी किया गया है।

अपनी ही महिला पार्षद पर विवादित टिप्पणी कर घिरे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, कांग्रेस ने खोला मोर्चा; सख्त कार्रवाई की मांग

नर्मदापुरम । मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय एक बार फिर अपने विवादित बयान के कारण राजनीतिक सुर्खियों में आ गए हैं। वार्ड क्रमांक 6 में लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह के दौरान, सार्वजनिक मंच से उन्होंने अपनी ही पार्टी की महिला पार्षद संध्या यादव की शारीरिक बनावट (बॉडी शेमिंग) को लेकर अशोभनीय टिप्पणी कर दी। क्या है पूरा मामला?

समारोह के दौरान जब पार्षद संध्या यादव मंच पर माइक स्टैंड की ओर आगे बढ़ रही थीं, तो उनके पीछे खड़ा एक कार्यकर्ता ओझल हो गया। इसी बात पर व्यंग्य कसते हुए मंत्री विजयवर्गीय ने माइक पर कह दिया— संध्या दीदी की भी चौड़ाई बढ़ गई है थोड़ी सी। मंच से की गई इस टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद प्रदेश का सियासी पारा गरमा गया है। कांग्रेस का तीखा पलटवार और कार्रवाई की मांग इस घटनाक्रम के सामने आते ही विपक्षी दल कांग्रेस ने भाजपा और मंत्री पर कड़ा प्रहार किया है: श्रीमती मीना वर्मा (पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेत्री): उन्होंने इस बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि एक वरिष्ठ पद पर आसीन नेता द्वारा अपनी ही पार्टी की एक महिला जन-प्रतिनिधि के खिलाफ इस तरह की अमर्यादित और अशोभनीय शब्दावली का प्रयोग करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने भाजपा नेतृत्व से मांग की है कि ऐसे गैर-जिम्मेदाराना आचरण को देखते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विरुद्ध तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। नीलाभ शुक्ला (AICC मीडिया कोऑर्डिनेटर): उन्होंने भी इस बयान को पूरी तरह आपत्तिजनक, अशोभनीय और निंदनीय करार देते हुए भाजपा की कार्यशैली व महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

तेज रफ्तार बल्कर और कार की आमने-सामने भिड़ंत, डॉक्टर दंपती समेत चार की मौत

बारां (आरएनएस)। राजस्थान के बारां जिले में अटरू-कवाई मार्ग पर मंगलवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार बल्कर और कार के बीच आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार चारों लोग अंदर फंस गए। मृतकों में डॉक्टर दंपती और उनके दो बच्चे शामिल हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही कवाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कार में फंसे चारों लोगों को बाहर निकाला गया और उपचार के लिए कवाई चिकित्सालय पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद सभी चारों को मृत घोषित कर दिया।

कवाई थानाधिकारी राजपाल सिंह के अनुसार, मृतकों की पहचान मांडलगढ़ के पीएमओ चिकित्सक सुरेश गजराज, उनकी पत्नी चिकित्सक शालिनी मौर्य तथा उनके दो बच्चों 12 वर्षीय स्वप्निल और सात वर्षीय निलिशा के रूप में हुई है।

तेलंगाना के आदिलाबाद के सरकारी अस्पताल में एसी फटने से आग, 2 नवजात शिशुओं की जान गई

आदिलाबाद (आरएनएस)। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में स्थित राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) के अस्पताल में सोमवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। अस्पताल की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई में आग लगने से दो नवजात शिशुओं की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग एयर कंडीशनर में हुए विस्फोट के बाद लगी। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। अस्पताल कर्मियों ने तत्काल कई नवजात शिशुओं को सुरक्षित बाहर निकालकर दूसरे वार्डों में स्थानांतरित किया।

आदिलाबाद के जिलाधिकारी राजर्षि शाह के अनुसार, घटना के समय विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई में कम से कम 27 शिशु भर्ती थे। इनमें कुछ ऐसे नवजात भी शामिल थे, जिनका जन्म समय से पहले हुआ था और उन्हें कृत्रिम श्वसन यंत्र पर रखा गया था। आग लगने के बाद वार्ड में तेजी से धुआं भर गया, जिसके चलते शिशुओं को तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना पड़ा। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में एयर कंडीशनर में हुए विस्फोट को आग लगने की वजह माना जा रहा है। हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच अभी जारी है। आग लगने के कारण विशेष नवजात शिशु इकाई में धुआं भर गया था, जिससे वहां मौजूद बच्चों को बाहर निकालने में मुश्किल हुई।

आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया।

K K

राजधानी समाचार

बुधवार 23 सितम्बर 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 2

भोपाल में निकला डोल ग्यारस का जुलूस

पुराने शहर में उमड़ी भीड़, अलग-अलग समाजों की झांकियां हुईं शामिल

भोपाल, (आरएनएस)। डोल ग्यारस पर मंगलवार को भोपाल के पुराने शहर में भोपाल के राजा और दूल्हे राजा की प्रतिमाओं के साथ भव्य जुलूस निकला। अहिल्याबाई होल्कर, नीम करोली बाबा और महात्मा गांधी के रूप में सजे कलाकारों ने आकर्षण बढ़ाया।

डोल ग्यारस के मौके पर मंगलवार को भोपाल के पुराने शहर में भव्य जुलूस निकाला गया। पीपल चौक स्थित जामा मस्जिद के पास से शुरू हुए जुलूस में भोपाल के राजा और दूल्हे राजा की प्रतिमाएं आकर्षण का केंद्र रहीं। इनके साथ अलग-अलग समाजों के डोल और झांकियां भी शामिल हुईं। जुलूस में धार्मिक और ऐतिहासिक पात्रों के रूप में सजे कलाकारों ने भी लोगों का ध्यान खींचा। कोई नीम करोली बाबा, तो कोई अहिल्याबाई होल्कर और महात्मा गांधी के रूप में नजर आया। कलाकारों ने रास्ते में करतब और वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति भी दी। जुलूस के दौरान बड़ी संख्या में लोग

मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने धार्मिक जयकारे लगाए। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा।

सबसे आगे रही भोपाल के राजा की प्रतिमा

जुलूस में सबसे आगे भोपाल के राजा की प्रतिमा रही। इसके बाद विभिन्न समाजों के डोल, झांकियां और कलाकारों के दल शामिल हुए। दुल-दुल घोड़ी नृत्य और कलाकारों के करतब भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। जामा मस्जिद से रवाना हुआ जुलूस पीरगेट की ओर बढ़ा और पुराने शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए खटलापुरा मंदिर पहुंचेगा। यहां शाम करीब सात बजे जुलूस के समापन हुआ। जुलूस चौक बाजार से लखेरापुरा, भवानी मंदिर, पीरगेट, सेफिया कॉलेज रोड, इमामबाड़ा चौकी, जनकपुरी पानी की टंकी, जुमेराती गेट, सराफा चौक, इब्राहिमपुरा, रंजन पेन कॉर्नर, सुल्तानिया रोड, बुधवारा, तलैया काली मंदिर, लिली टॉकीज चौराहा और पुलिस मुख्यालय तिराहे से होते हुए खटलापुरा मंदिर पहुंचेगा।

सेवा से संकल्प अभियान

भोपाल के विद्यालयों में भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित, विद्यार्थी देश के कर्णधार, मेरे सपनों का भारत की परिकल्पना को साकार करने में युवाओं की अहम भूमिका

भोपाल (ए.)। सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत राजधानी भोपाल के विभिन्न विद्यालयों में मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में मंत्री विश्वास सारंग, श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा, महापौर श्रीमति मालती राय , विधायक भगवान दास सबनानी, रामेश्वर शर्मा , नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने मुख्य अतिथियों के रूप में सहभागिता कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजनों में छात्र-छात्राओं ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा और राष्ट्र-निर्माण से जुड़े क्रांतिकारी विचारों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विभिन्न विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि विद्यार्थी देश का उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्र-निर्माण के असली कर्णधार हैं। मेरे सपनों का भारत की परिकल्पना को साकार करने में हमारी बेटियों और युवाओं का योगदान सर्वोपरि है। सेवा भावना से लिया गया संकल्प ही किसी भी समाज और राष्ट्र को प्रगति के नए शिखरों पर ले जाता है। जब हमारे युवा और बेटियां शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर होंगे, तभी सशक्त, समृद्ध और उन्नत भारत का निर्माण संभव होगा। प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों ने भाषण कला के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत, स्वच्छता, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार निडरता एवं तार्किकता के साथ रखे। वहीं, चित्रकला प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी कल्पनाशक्ति की तूलिका से भविष्य के सशक्त, आधुनिक और समृद्ध भारत के सुंदर व मनमोहक रंग कैनवास पर उकेरे।

साइबर और फोरेंसिक क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों का विस्तार आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रक्षा के क्षेत्र में शिक्षा-प्रशिक्षण और अनुसंधान है राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दिन-प्रतिदिन के जीवन में जिस गति से डिजिटल प्रणालियों का उपयोग बढ़ रहा है, उसी गति से इस क्षेत्र में चुनौतियां भी बढ़ रही है। डिजिटल और साइबर क्षेत्र की व्यवस्थाओं में समाज हित और जनकल्याण लगातार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सर्तकता आवश्यक है। साइबर और फॉरेंसिक क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के विस्तार से ही यह संभव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर की स्थापना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर और राज्य शासन के बीच हुआ एमओयू तथा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और राजीव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बीच हुआ रिलेशनशिप एग्रीमेंट साइबर क्षेत्र में सर्तकता और डिजिटल फोरेंसिक्स में दक्षता का विस्तार करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार आज मंत्रालय में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर और मध्य भारत प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय भोपाल के मध्य एमओयू के आदान प्रदान के अवसर पर व्यक्त किया। उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

शीघ्र आरंभ होंगे प्रशिक्षण कार्यक्रम

आज हुआ एमओयू, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय गांधीनगर द्वारा प्रदेश के जेल मुख्यालय और पुलिस मुख्यालय के अधिकारी/कर्मचारियों के प्रशिक्षण तथा कौशल विकास के लिये राज्य शासन के साथ किया गया है। अतिशीघ्र ही प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किये जायेगें। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय परिसर, भोपाल के सुचारू संचालन एवं समन्वय के लिए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गाँधीनगर और राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के मध्य रिलेशनशिप एग्रीमेंट सम्पादित किया गया। मंत्रालय में हुए एमओयू और रिलेशनशिप एग्रीमेंट कार्यक्रम में आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय भोपाल के निदेशक राकेश कुनवर तथा आरजीपीवी के कुलपति आलोक शर्मा उपस्थित थे। भोपाल परिसर में उपलब्ध है साइबर सिक्योरिटी में बीटेक और डिजिटल फोरेंसिक व साइबर सिक्योरिटी में एमएससी पाठ्यक्रम उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर की स्थापना भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 28 सितम्बर, 2020 में की गई थी। इसका उद्देश्य देश में रक्षा के क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान, विस्तार एवं सेवाएँ प्रदान करना है। देश के 07 राज्यों में इस विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय परिसर स्थापित किया जा चुके हैं और अब तक लगभग 40 हजार कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है। राज्य में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर के परिसर की स्थापना भोपाल में करने के संबंध में मंत्रि-परिषद् की बैठक दिनांक 01.07.2025 में निर्णय लिया गया था।

एमपी में 20 साल बाद बदलेगा बसों का सिस्टम

25 सितंबर से नई सेवा, निजी ऑपरेटर चलाएंगे बसें; GPS-CCTV से निगरानी

भोपाल, (आरएनएस)। मध्यप्रदेश में करीब दो दशक बाद यात्री परिवहन व्यवस्था को नए मॉडल के साथ संचालित करने की तैयारी है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत 25 सितंबर को भोपाल के दशहरा मैदान से होगी। पहले चरण में प्रदेश के अलग-अलग शहरों के लिए बस सेवाओं को हरी झंडी दिखाई जाएगी। सरकार ने मार्च तक इस नेटवर्क में करीब 1000 बसें जोड़ने का लक्ष्य रखा है। मध्यप्रदेश रोडवेज बंद होने के बाद पिछले करीब 20 वर्षों से यात्री परिवहन व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग नहीं हो पा रही थी। अब निजी बस ऑपरेटरों को व्यवस्था से जोड़कर सरकार संचालन की निगरानी और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर देगी। नई व्यवस्था में सरकार खुद बसें खरीदकर सड़क पर नहीं उतारेगी। निजी बस ऑपरेटरों के माध्यम से बसों का संचालन होगा। सरकार रूट, सुविधाओं और संचालन की निगरानी करेगी। बसों में जीपीएस और सीसीटीवी के साथ ऑनलाइन ट्रैकिंग की व्यवस्था रहेगी।

मंत्री विश्वास सारंग ने वार्ड 36 एवं 37 में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

भोपाल, (आरएनएस)। सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 36 एवं 37 में करोड़ों रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का क्रम निरंतर जारी है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला की जनता का विश्वास हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इस विश्वास को विकास के माध्यम से निरंतर मजबूत करना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड, प्रत्येक कॉलोनी और प्रत्येक परिवार तक विकास की सुविधाएं पहुंचाना हमारी प्रतिबद्धता है। आगे उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराया जा रहा है, ताकि प्रत्येक वार्ड के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सके। भूमिपूजन के दौरान मंडल अध्यक्ष श्री नितिन पाठक, पार्षद गीता माली, पार्षद विमलेश ठाकुर, कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। मंत्री श्री सारंग ने वार्ड क्रमांक 37 के चांदबड़ क्षेत्र में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन क्षेत्र के नागरिकों के लिए सामाजिक एवं पारिवारिक आयोजनों के साथ-साथ विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों के लिए उपयोगी साबित होगा। इससे क्षेत्रवासियों को अपने कार्यक्रमों के लिए बेहतर और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री सारंग ने वार्ड क्रमांक 36 एवं 37 के सौरभ कॉलोनी, शिव नगर, हिनोतिया, चांदबड़ सहित अन्य क्षेत्रों में सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया। इन कार्यों के पूर्ण होने से स्थानीय रहवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने के साथ जल निकासी की समस्या के निराकरण में भी सहायता मिलेगी मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में हर सुविधाओं को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है। विकास केवल बड़े प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है बल्कि प्रत्येक मोहल्ले की सड़क, नाली, स्वच्छता और नागरिक सुविधा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भोपाल में 2 हजार डंपरों का चक्का जामः 4 लाख के जुर्माने पर थाने तक पहुंचा विरोध, आज सड़क रोकने की चेतावनी

भोपाल (आरएनएस)। चार लाख रुपये तक के जुर्माने के विरोध में भोपाल के डंपर संचालकों ने आंदोलन तेज कर दिया है। संगठन का दावा है कि करीब 2 हजार डंपर खड़े हैं और 700 संचालक आंदोलन के समर्थन में हैं। मंगलवार को कमला नगर थाने में प्रदर्शन के बाद अब 23 सितंबर से चूनाभट्टी चौराहे पर चक्का जाम की चेतावनी दी गई है।परिवहन के दौरान भारी जुर्माने की कार्रवाई के विरोध में भोपाल के डंपर संचालकों का आंदोलन अब सड़क से थाने तक पहुंच गया है। मंगलवार को लोकल ट्रांसपोर्ट जागरूकता सहायता समिति और ट्रक एसोसिएशन से जुड़े लोगों ने कमला नगर थाने में प्रदर्शन किया। संगठन का दावा है कि भोपाल और आसपास के इलाकों में करीब 2 हजार डंपरों के पहिये थम गए हैं। चूनाभट्टी से सर्वधर्म ब्रिज तक सड़क किनारे डंपर खड़े किए गए हैं। संचालकों का आरोप है कि खनिज और अन्य विभागों की कार्रवाई के दौरान वाहनों पर चार लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा रहा है। इसके अलावा 20 से 40 हजार रुपये तक अतिरिक्त राशि भी वसूली जा रही है। उनका कहना है कि पिछले करीब तीन साल से इस तरह की कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। अब संचालकों ने सामूहिक रूप से वाहन खड़े कर विरोध शुरू कर दिया है। लोकल ट्रांसपोर्ट जागरूकता सहायता समिति के बैनर तले चूनाभट्टी चौराहे पर धरना दिया गया। संगठन के मुताबिक, चूनाभट्टी से सर्वधर्म ब्रिज तक कोलार रोड के दोनों ओर बड़ी संख्या में डंपर खड़े किए गए हैं। इसके अलावा ईंटखेड़ी, रायसेन रोड और 11 मील समेत अलग-अलग क्षेत्रों में भी डंपर खड़े होने का दावा किया गया है। समिति का कहना है कि करीब 700 डंपर संचालक आंदोलन के समर्थन में हैं। संचालकों के मुताबिक, यदि कार्रवाई और भारी जुर्माने का सिलसिला जारी रहा तो उनके लिए कारोबार चलाना मुश्किल हो रहा है।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान एवं फेन अभयारण्य के लिए निगरानी समिति गठित

भोपाल, (आरएनएस)। भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना अनुसार मण्डला जिले में स्थित कान्हा राष्ट्रीय उद्यान एवं फेन अभयारण्य को पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में अधिसूचित किया गया है। इस क्षेत्र की निगरानी के लिए राज्य शासन द्वारा निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) का गठन किया गया है।सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में संभागीय आयुक्त जबलपुर को पदेन-अध्यक्ष बनाया गया है। जिला कलेक्टर मंडला और बालाघाट, उप संचालक कोर और बफर कान्हा टाइगर रिजर्व, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के सहायक संचालक मंडला, क्षेत्रीय अधिकारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जबलपुर, अधीक्षण अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंडला और बालाघाट, जिला पंचायत मंडला और बालाघाट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जैव विविधता विशेषज्ञ - पी.एस. मसराम भा.व.से. (सेवानिवृत्त) मण्डला, डॉ. अनिरूध्द मजूमदार वैज्ञानिक राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर एवं अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग सिवनी सदस्य होंगे।

आयुष इंटर्न डॉक्टरों का प्रदर्शनः कलेक्ट्रेट पहुंचे, बोले- दूसरे राज्यों में मानदेय 33 हजार तक, MP में सबसे कम

भोपाल (आरएनएस)। एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों के बाद अब आयुष इंटर्न डॉक्टरों ने भी मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार दोपहर 100 से ज्यादा इंटर्न डॉक्टर भोपाल कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रदर्शन किया। डॉक्टरों का कहना है कि मध्यप्रदेश में उन्हें हर महीने सिर्फ 9,383 रुपये मानदेय दिया जा रहा है। उनका दावा है कि कई राज्यों में आयुष इंटर्न को इससे दो से तीन गुना तक अधिक राशि मिल रही है। प्रदर्शनकारियों को कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट पर ही रोक दिया गया। बाहरी गेट बंद कर दिया गया और मौके पर पुलिस बल तैनात रहा। डॉक्टरों ने सरकार से मानदेय बढ़ाने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने दूसरे राज्यों में मिलने वाले मानदेय के आंकड़े भी बताए। उनके अनुसार पश्चिम बंगाल

में आयुष इंटर्न डॉक्टरों को 33,099 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। ओडिशा में 30 हजार, तेलंगाना में 29,792 और बिहार में 27 हजार रुपये दिए जाते हैं।आंध्रप्रदेश में 25,906, केरल में 23 हजार और कर्नाटक में 22,500 रुपये प्रतिमाह मिलने का दावा किया गया है। असम और महाराष्ट्र में 18 हजार, छत्तीसगढ़ में 15,900 तथा पंजाब और उत्तराखंड में 15 हजार रुपये दिए जाने की बात डॉक्टरों ने कही।राजस्थान में 14 हजार रुपये के साथ महंगाई भत्ता भी मिलता है। हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में 10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इसके मुकाबले मध्यप्रदेश में 9,383 रुपये ही मिल रहे हैं।

एमबीबीएस इंटर्न का मानदेय बढ़ा तो आयुष डॉक्टर भी मैदान में

आयुष इंटर्न डॉक्टरों का प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है, जब कुछ दिन पहले ही गांधी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों ने मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर भोपाल में आंदोलन किया था। तीन दिन चले आंदोलन के दौरान सड़क जाम की स्थिति भी बनी थी।इसके बाद सरकार ने एमबीबीएस इंटर्न डॉक्टरों का मानदेय 50 प्रतिशत बढ़ाकर 21,500 रुपये प्रतिमाह करने की मांग मान ली थी।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 153 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में एडीएम सुमित पांडेय ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 153 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम श्री पांडेय ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सहकारी बैंक के सीईओ 2 माह के अंदर अधीनस्थ सभी पैक्स का कर लें निरीक्षण : मंत्री श्री सारंग

भोपाल (ए.)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अपने अधीनस्थ सभी पैक्स का निरीक्षण 2 माह के अंदर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अपने बैंक को अपग्रेड करने की जिम्मेदारी स्वयं मुख्य कार्यपालन अधिकारी की है। वह अनुशासन और एकरूपता के साथ सफलता हासिल कर सकते हैं। बैंक में नवाचार कर एक अलग पहचान बनाई जा सकती है। मंत्री श्री सारंग समन्वय भवन में सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सीईओ के पद पर नये एवं युवा अधिकारी पदस्थ हुए हैं। उनके लिये यह प्रशिक्षण कार्यक्रम लाभप्रद सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि पुराने अधिकारी-कर्मचारियों के अनुभव का लाभ भी उन्हें लेना चाहिये और उनका सम्मान भी बनाये रखना चाहिये। श्री सारंग ने कहा कि सीईओ अपने कलेक्टर से सतत सम्पर्क में रहें। साथ ही जिले के अधिकारियों से बेहतर समन्वय बनाये रखें। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्था स्थापित करने के लिये अपने अधीनस्थ पैक्स को चैनेलाइज करें।

भोपाल बैरागढ़ ब्रिज पर मंत्री की सख्तीः ठेकेदार पर 20 लाख रु. जुर्माना, मार्च 2027 तक काम पूरा करने की चेतावनी

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के बैरागढ़ में निर्माणाधीन एलिवेटेड ब्रिज को लेकर लोक निर्माण विभाग ने अब सख्त रुख अपनाया है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मंगलवार को इसके निरीक्षण के दौरान निर्माण की धीमी रफ्तार और सुरक्षा व्यवस्था में कमियां मिलने पर अधिकारियों और निर्माण एजेंसी पर नाराजगी जताई। मंत्री के निर्देश के बाद विभाग ने निर्माण एजेंसी पर 20 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई है। साथ ही ब्रिज का पूरा काम मार्च 2027 तक हर हाल में पूरा करने की समय-सीमा तय की गई है।

तीन दिन में सुधार, हर सप्ताह होगी निगरानी

मंत्री ने निर्माण स्थल पर मिली सभी अव्यवस्थाओं को तीन दिन में दूर करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य अभियंता अब हर सप्ताह निर्माण की समीक्षा करेंगे, जबकि प्रगति, गुणवत्ता और समय-सीमा से जुड़ी रिपोर्ट हर 15 दिन में मंत्री को भेजी जाएगी। निर्माण एजेंसी को अनुबंध की शर्तों के अनुसार काम में देरी और लापरवाही के लिए कार्रवाई का सामना करना होगा। मंत्री ने अधिकारियों को केवल सामान्य समीक्षा के बजाय पर्ट चार्ट के आधार पर साप्ताहिक माइक्रो प्लानिंग करने के निर्देश दिए हैं। यानी निर्माण के हर चरण का लक्ष्य तय कर उसकी हर सप्ताह प्रगति जांची जाएगी।

सर्विस रोड और सुरक्षा पर खास फोकस

निरीक्षण के दौरान सर्विस रोड की खराब स्थिति भी सामने आई। मंत्री ने इसे तत्काल दुरुस्त करने को कहा, क्योंकि ब्रिज पूरा होने तक यही सड़क स्थानीय लोगों और वाहनों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। निर्माण स्थल पर अनावश्यक सेफ्टी बैरियर हटाने और जहां काम चल रहा है, वहीं पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। स्ट्रीट लाइट चालू करने, निर्माण सामग्री और मलबा हटाने तथा सिविल अस्पताल के आसपास मरीजों और एंबुलेंस के लिए रास्ता सुगम रखने को भी कहा गया है।

ब्रिज पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग भी

एलिवेटेड कॉरिडोर पर बारिश के पानी के संचयन की व्यवस्था अभी से करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा ब्रिज के नीचे पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था भी की जाएगी। मंत्री ने कहा कि बड़ी अधोसंरचना परियोजनाओं में जल संरक्षण को भी निर्माण का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बैरागढ़ यानी संत हिरदाराम नगर का यह मार्ग भारी यातायात वाला क्षेत्र है। ऐसे में निर्माण के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर विभाग ने अब नियमित निगरानी का सिस्टम तैयार किया है। ब्रिज की प्रगति अब केवल काम की गति से नहीं, बल्कि तय माइक्रो प्लान के अनुसार साप्ताहिक स्तर पर भी जांची जाएगी।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों का जायजा लेने ई-रिक्शा पर सवार होकर निकले बड़े अफसर, पैदल नापी गलियां

उज्जैन (ए.)। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच मंगलवार को उज्जैन में अफसरों का एक अलग अंदाज देखने को मिला। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा लालबत्ती गाड़ियों का काफिला छोड़कर ई-रिक्शा से शहर का निरीक्षण करने निकले।

दरअसल प्रस्तावित मार्ग के चौड़ीकरण निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने तय किया कि बड़े वाहनों के काफिले के साथ निकलने से शहर में जाम लग सकता है और आम लोगों को परेशानी हो सकती है। इसलिए उन्होंने आम श्रद्धालु और नागरिक की तरह ई-रिक्शा से सफर कर सड़कों की स्थिति का जायजा लेने का फैसला किया। संभागायुक्त आशीष सिंह खुद ई-रिक्शा चालक के पास वाली सीट पर बैठे। उन्होंने महाकाल चौराहे से खजूर वाली मस्जिद तक ई-रिक्शा से सफर किया। इस दौरान तंग गलियों में वाहन की आवाजाही, मोड़ पर होने वाली परेशानी और अतिक्रमण जैसी स्थितियों को करीब से देख

अफसर ने दिया ई-रिक्शा का किराया

इस निरीक्षण का सबसे दिलचस्प पहलू उस समय सामने आया, जब गंतव्य पर पहुंचने के बाद संभागायुक्त आशीष सिंह ने अपनी जेब से पैसे निकालकर ई-रिक्शा चालक को किराया दिया। किराया लेते समय चालक भी कुछ देर के लिए चौंक गया। उसके लिए यह अनुभव अलग था कि शहर के वरिष्ठ अधिकारी उसकी ई-रिक्शा में आम यात्री की तरह सफर करने के साथ किराया भी खुद दे रहे हैं।

दूसरी मंजिल से गिरी 40 साल पुरानी लिफ्ट, 7 घायल

इंदौर (आरएनएस)। इंदौर के नवलखा स्थित स्नेह नगर में मंगलवार दोपहर एक बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स की लिफ्ट अचानक दूसरी मंजिल से नीचे गिर गई। इस दुर्घटना में लिफ्ट में सवार कुल सात लोग घायल हो गए, जिन्हें तुरंत उपचार के लिए पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस का बल मौके पर पहुंचा और घटना की जांच शुरू की।क्षमता से अधिक लोग थे सवार

घटना दोपहर करीब साढ़े तीन बजे की बताई जा रही है। स्नेहनगर कॉम्प्लेक्स के डी-ब्लॉक की लिफ्ट जब दूसरी मंजिल से नीचे आ रही थी, तभी अचानक अनियंत्रित होकर नीचे आ गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों और कॉम्प्लेक्स के चौकीदार लखन के अनुसार लिफ्ट में क्षमता से अधिक लोग सवार हो गए थे। ओवरलोड होते ही लिफ्ट से तेज आवाज आई और अंदर मौजूद लोग सहायता के लिए चिल्लाने लगे, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकाला।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 129 आमजनों की समस्याओं की हुई सुनवाई

ग्वालियर (आरएनएस)। कलेक्ट्रेट में हुई जन-सुनवाई में इस बार 129 आमजनों की समस्यायें सुनी गईं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर सी बी प्रसाद व अनिल बनवारिया सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने एक - एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। मंगलवार को हुई कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं। नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत भी नगर निगम के अधिकारियों को दी गई। जनसुनवाई में मदद की आस में पहुँचे जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया गया। जन-सुनवाई में कुल 129 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 71 आवेदन दर्ज किए गए। साथ ही शेष 58 आवेदन विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकृत करने के लिये आवश्यक टीप के साथ दिए गए।

महाकाल का पंचामृत अभिषेक, रजत चंद्र-त्रिशूल से राजा स्वरुप शृंगार, भस्म आरती में उमड़े श्रद्धालु

उज्जैन, (ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार तड़के भगवान महाकाल की भस्म आरती विशेष पूजन और शृंगार के साथ संपन्न हुई। सुबह करीब चार बजे मंदिर के कपाट खुले। पुजारियों ने गर्भगृह में विराजमान भगवान महाकाल का हरिओम जल से अभिषेक कर पंचामृत पूजन किया। इसके बाद भांग, चंदन और आभूषणों से भगवान का दिव्य शृंगार किया गया।भगवान महाकाल को रजत चंद्र, त्रिशूल और त्रिपुंड धारण कराया गया। ड्रायफ्रूट से राजा स्वरूप शृंगार किया गया। इसके साथ शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों की मालाएं अर्पित की गईं। भगवान को फल और मिष्ठान का भोग लगाया गयामंदिर के पट खुलने के बाद पुजारियों ने भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों के रस से तैयार पंचामृत से अभिषेक-पूजन किया गया। भस्म आरती की प्रक्रिया के तहत मंत्रोच्चार के बीच भगवान का ध्यान किया गया।

बाइक के सामने अचानक आई नीलगाय, सड़क पर घिसटने से युवक घायल, चेहरे पर पांच टांके

मंदसौर, (ए.)। मंदसौर-सीतामऊ मार्ग पर सोमवार रात अचानक बाइक के सामने नीलगाय आ जाने से 20 वर्षीय युवक हादसे का शिकार हो गया। चिरमोलिया गांव के पास हुए हादसे में बाइक सवार कृष्णपाल सिंह (20) पिता राजपाल सिंह सड़क पर गिरकर काफी दूर तक घिसट गए। दुर्घटना में उनके चेहरे, हाथ और दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है।जानकारी के अनुसार हादसा रात करीब नौ बजे चिरमोलिया गांव के पास हुआ। कृष्णपाल सिंह बाइक से गांव की ओर से बिलांत्री लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पर अचानक नीलगाय सामने आ गई। अचानक सामने आए पशु से बचने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित हो गई और कृष्णपाल सड़क पर गिर गए। गिरने के बाद वह सड़क पर घिसटते चले गए, जिससे उन्हें कई जगह गंभीर चोटें आईं।हादसे की सूचना मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और घायल कृष्णपाल को उपचार के लिए सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। चोटों की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें मंदसौर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रात करीब 11 बजे परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों की निगरानी में इलाज चल रहा है।परिजनों के मुताबिक हादसे में कृष्णपाल के चेहरे पर सबसे ज्यादा चोट आई है। चेहरे पर करीब पांच टांके लगाए गए हैं। इसके अलावा एक हाथ में फ्रैक्चर हुआ है, जबकि दोनों पैरों में भी चोटें आई हैं। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

महिला पार्षद पर कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर मचा हल्ला, कांग्रेस ने जताई आपत्ति

इंदौर (आरएनएस) मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की महिला पार्षद संध्या यादव की शारीरिक बनावट पर टिप्पणी का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद गर्माता जा रहा है। कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है और AICC मीडिया कोऑर्डिनेटर नीलाभ शुक्ला ने निंदनीय बताया है। मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय इन दिनों अपनी एक टिप्पणी को लेकर विवादों के घेरे में घिर चुके हैं। उनकी इस टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है और सियासी पारा हाई हो चुका है। वार्ड नंबर 6 में करीब 7 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मंत्री विजयवर्गीय ने सार्वजनिक मंच से वार्ड की महिला पार्षद संध्या यादव की शारीरिक बनावट पर टिप्पणी की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया है। कार्यक्रम का वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस ने इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई है और AICC मीडिया कोऑर्डिनेटर नीलाभ शुक्ला ने मंत्री की टिप्पणी को निंदनीय बताया है।

व्यापार समाचार

सोने में सीमित दायरे में कारोबार, चांदी 2.40 लाख रुपये प्रति किलो के नीचे

मुंबई (आरएनएस) । सोने और चांदी मंगलवार को सपाट खुले और शुरुआत कारोबार में दोनों कीमती धातु एक सीमित दायरे में बने हुए थे।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,53,094 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,53,497 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला।

सुबह 10 बजे यह 36 रुपये या 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 1,53,058 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,53,005 रुपये प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,53,497 रुपये प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है।

चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,39,317 रुपये प्रति किलो के मुकाबले 2,40,529 रुपये प्रति किलो पर खुला।

खबर लिखे जाने तक यह 238 रुपये या 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,39,555 रुपये प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,39,400 रुपये प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,40,529 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। कॉमेक्स पर सोना 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,347 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 66 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, डॉलर इंडेक्स के 100 के ऊपर जाने से सोने की कीमतों में हल्की प्रॉफिट बुकिंग देखी जा रही है। हालांकि, कच्चे तेल की गिरती कीमतें सोने के लिए सकारात्मक बनी हुई हैं और 4,250 डॉलर प्रति औंस का स्तर एक मजबूत टेक्निकल सपोर्ट बना हुआ है। इस हफ्ते अमेरिका से कोई बड़ा आर्थिक डेटा नहीं आने के चलते सोने की कीमतें एक दायरे में रह सकती हैं, लेकिन उनमें उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। कॉमेक्स पर सोना 4,250-4,450 डॉलर प्रति औंस और एमसीएक्स पर सोना 1,51,000-1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की रेंज में रहने की उम्मीद है।

मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में खुला, रियल्टी और डिफेंस में खरीदारी

मुंबई (आरएनएस) । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में हल्की तेजी के साथ खुला। सुबह 9:19 पर सेंसेक्स 58 अंक या 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,926 और निफ्टी 35 अंक या 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,449 पर था।

शुरुआती बाजार में रियल्टी और डिफेंस स्टॉक्स में खरीदारी देखी जा रही थी। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी इंडिया डिफेंस करीब एक प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर्स थे। निफ्टी एनर्जी, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी मेटल, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी प्राइवेट बैंक हरे निशान में थे। केवल निफ्टी आईटी ही लाल निशान में था।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी जा रही है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 224 अंक या 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,237 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 75 अंक या 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,939 पर था।

सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स,मारुति सुजुकी, एमएंडएम, इटरनल, टाटा स्टील, ट्रेंट, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और आईसीआईसीआई हरे निशान में हैं। एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा, भारती एयरटेल और टाइटन लाल निशान में थे।

नहीं चाहिए डेटा तो क्यों दें फालतू पैसे? TRAI के नए आदेश से टेलीकॉम कंपनियों में खलबली

नई दिल्ली (ए.)। देश के करोड़ों मोबाइल उपभोक्ताओं, खासकर कम आय वर्ग और केवल फीचर फोन इस्तेमाल करने वाले लोगों के लिए भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) ने बड़ी राहत दी है। ट्राई ने रिलायंस जियो, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया जैसी सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को कम वैधता वाले सिर्फ 'वॉइस कॉल और एसएमएस' प्लान पेश करने का सख्त निर्देश दिया है। नियामक ने कंपनियों को साफ कहा है कि इन प्लान्स में डेटा शामिल नहीं होगा, इसलिए इनकी कीमतों (टैरिफ) में भी उपभोक्ताओं के हित में पर्याप्त और उचित कटौती करनी होगी।

डेटा न चाहने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा फायदा

ट्राई ने अपने 'दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (तेरहवां संशोधन) विनियम, 2026' को अधिसूचित करते हुए यह बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य उन उपभोक्ताओं को लचीले और सस्ते रिचार्ज का विकल्प देना है, जो इंटरनेट या डेटा सेवाओं का बिल्कुल उपयोग नहीं करते। नए नियमों के मुताबिक, टेलीकॉम कंपनियों को 30 दिन या उससे कम वैधता अवधि वाले विशेष टैरिफ वाउचर (STV) बाजार में उतारने होंगे, जिनमें सिर्फ वॉइस कॉलिंग और एसएमएस की सुविधा होगी। वर्तमान में डेटा के साथ

मिलने वाले कॉम्बो प्लान्स की तुलना में इन प्लान्स के दाम काफी कम रखने होंगे।

महंगे कॉम्बो प्लान थोपने के खेल पर ट्राई का कड़ा रुख

नियामक ने स्पष्ट किया कि 2024 में लागू किए गए 12वें संशोधन के बाद टेलीकॉम ऑपरेटरों ने केवल वॉइस और एसएमएस वाले किफायती प्लान्स को बाजार से लगभग गायब कर दिया था। बाजार में जो भी कॉलिंग प्लान मौजूद थे, वे ज्यादातर लंबी वैधता और महंगे दामों के साथ थे। इसके चलते गरीब, बुजुर्ग और कम आय वर्ग के उपभोक्ताओं को न चाहते हुए भी डेटा वाले महंगे कॉम्बो पैक खरीदने पड़ रहे थे। उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहे इस अनावश्यक वित्तीय बोझ को खत्म करने के लिए ट्राई ने यह कड़ा हस्तक्षेप किया है। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, ऑपरेटरों को एक ऐसा केवल वॉइस और एसएमएस वाउचर भी उपलब्ध कराना होगा, जो हर महीने बिल्कुल एक ही निश्चित तारीख को रिन्यू (नवीनीकृत) हो सके। यदि किसी महीने में वह तारीख मौजूद नहीं होगी (जैसे 31 तारीख न होने पर), तो रिन्यूअल उस माह के अंतिम दिन मान्य होगा। इसके अतिरिक्त, कंपनियों को कम अवधि और मासिक प्लान्स के साथ-साथ एक लंबी वैधता वाला 'केवल कॉलिंग व एसएमएस' प्लान भी अपने पोर्टफोलियो में रखना अनिवार्य होगा, जिससे हर वर्ग की जरूरत पूरी हो सके।

रेलवे स्टेशन पर दुकान खोलकर करें तगड़ी कमाई, ऐसे मिलता है स्टॉल का टेंडर

नई दिल्ली(ए.)। रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म पर सफर के दौरान चाय, नाश्ता, किताबें या रोजमर्रा का सामान बेचते स्टॉल तो आपने देखे ही होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये दुकानें रेलवे खुद नहीं चलाता, बल्कि आम नागरिक इन्हें लीज पर लेकर हर महीने लाखों का मुनाफा कमाते हैं। कोई भी भारतीय नागरिक तय नियमों और पारदर्शी टेंडर प्रक्रिया का पालन करके किसी भी रेलवे स्टेशन पर अपनी दुकान शुरू कर सकता है। इन स्टॉलों का आवंटन और प्रबंधन भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (IRCTC) और संबंधित जोनल रेलवे द्वारा संभाला जाता है।

कैसे मिलता है रेलवे स्टेशन पर दुकान का टेंडर?

आईआरसीटीसी समय-समय पर विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर फूड स्टॉल, जनरल स्टोर, चाय-कॉफी बूथ और बुक स्टॉल के लिए आधिकारिक टेंडर आमंत्रित करता है। ये आवंटन पूरी तरह निष्पक्ष ओपन टेंडर या ई-नीलामी प्रणाली (E-Auction) के माध्यम से किए जाते हैं। इच्छुक व्यवसायी रेलवे के ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पोर्टल, आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित रेलवे जोन के ई-ऑक्शन सेक्शन में जाकर सक्रिय टेंडरों की जानकारी देख सकते हैं और सीधे ऑनलाइन बोली लगा सकते हैं।

कितने साल के लिए मिलता है लाइसेंस?

रेलवे की टेंडर प्रक्रिया में सफल होने के बाद स्टॉल संचालक को एक निश्चित अवधि के लिए व्यवसाय करने का लाइसेंस जारी किया जाता है।

आसमान छू रहे प्याज के दाम, थोक भाव 135% उछला; जानें कब मिलेगी महंगाई से आम जनता को राहत

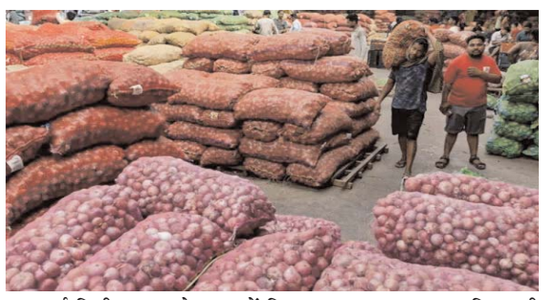

नई दिल्ली (ए.)। देश भर में किचन का बजट एक बार फिर बुरी तरह गड़बड़ा गया है और प्याज की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की आंखों से आंसू निकाल दिए हैं। पिछले एक वर्ष के मुकाबले प्याज की खुदरा कीमतों में दोगुने से भी अधिक का उछाल दर्ज किया गया है। सरकारी उपभोक्ता मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, खुदरा बाजार के साथ-साथ थोक मंडियों में भी प्याज की कीमतों में जबर्दस्त तेजी देखने को मिल रही है। 21 सितंबर को मंडियों में प्याज का थोक भाव 4615.98 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर पहुंच गया, जो ठीक एक साल पहले 3299.85 रुपये प्रति क्विंटल था। यानी इस दौरान थोक कीमतों में करीब 135 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है।

प्रमुख महानगरों में प्याज की कीमतें 60 रुपये के करीब पहुंचीं

लगभग 10 महीनों तक शांत रहने के बाद बीते दो महीनों से प्याज की कीमतें लगातार उछल रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, महज एक महीने पहले जहां प्याज की राष्ट्रीय औसत कीमत 40.79 रुपये प्रति किलो थी, वहीं 21 सितंबर को यह बढ़कर 54.23 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई। महानगरों की बात करें तो दिल्ली में एक साल पहले 32 रुपये किलो बिकने वाला प्याज अब 53 रुपये पर पहुंच चुका है। इसी तरह मुंबई में भाव 30 रुपये से बढ़कर 58 रुपये, चेन्नई में 30 से सीधे 60 रुपये और रांची में 25 रुपये से उछलकर 57 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है।

बेमौसम बारिश और स्टॉक का नुकसान बनी महंगाई की मुख्य वजह

प्याज के इस कदर महंगे होने के पीछे उत्पादन और भंडारण से जुड़े कई कारण सामने आए हैं। महाराष्ट्र में गर्मियों की प्याज की फसल को मार्च के दौरान हुई बेमौसम बारिश से भारी नुकसान पहुंचा था। इसके अलावा केंद्रीय एजेंसियों के सुरक्षित बफर स्टॉक में भी लगभग 30 प्रतिशत प्याज सड़ने या खराब होने की खबर है। हालांकि, विदेशी बाजारों में भारतीय प्याज की मांग कमजोर बनी हुई है और बांग्लादेश में उत्पादन बढ़ने से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा भी कड़ी हुई है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, पिछले एक हफ्ते से प्याज के दामों में ठहराव आया है और फिलहाल बहुत बड़ी तेजी की गुंजाइश कम है। वर्तमान में मंडियों में अच्छी गुणवत्ता वाले प्याज की जोरदार मांग मुख्य रूप से बीज कंपनियों की तरफ से आ रही है।

जानकारों का मानना है कि जैसे ही बीज कंपनियों की थोक खरीद प्रक्रिया पूरी होगी, प्याज के दामों में प्रति किलो 5 से 10 रुपये तक की नरमी देखने को मिल सकती है। प्याज के भावों में साल के चुनिंदा महीनों में आने वाला यह उछाल सीधे तौर पर इसके फसल चक्र और मंडी आवक से जुड़ा हुआ है। रबी सीजन की प्याज मार्च-अप्रैल में मंडियों में आती है, जिसे भंडारित करके रखा जाता है। खरीफ की नई फसल आने तक देश भर की आपूर्ति इसी पुराने स्टॉक पर निर्भर करती है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

कर्ज का बोझ बढ़ेगा

जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं?

फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट बैंक (एफसीएनआर-बी) योजना के जरिए अनिवासी भारतीयों और विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से विदेशी मुद्रा (मुख्य रूप से डॉलर) लाने की योजना कामयाब रही। इससे उस समय 136 बिलियन डॉलर भारत आए हैं, जब देश से डॉलर की निकासी के कारण रुपया बेहद दबाव में था। आए डॉलर के कारण रुपये की कीमत संभली है। लेकिन इस कामयाबी ने कई आशंकाओं को भी जन्म दिया है। यह एक टर्म डिपॉजिट स्कीम है। इसमें तीन से पांच साल की अवधियों के लिए जमा रकम विदेशी मुद्रा में ही मैच्योर होगी। वह रकम विनिमय दर के उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होगी। इस पर मिले ब्याज पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा।मोटे तौर पर इसे फिक्स्ड डिपॉजिट की ऐसी योजना के रूप में समझा जा सकता है, जिसमें मैच्युरिटी पर मिलने वाली रकम उस दौरान हुई मुद्रास्फीति के प्रभाव से मुक्त रहेगी। जमा रकम पर लगभग 16 प्रतिशत का तय रिटर्न मिलेगा। और इसीलिए यह सवाल उठा है कि तीन साल के बाद जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? बैंकों को भुगतान डॉलर में ही करना होगा, जिससे तब विदेशी मुद्रा भंडार पर अचानक बड़ा दबाव बढ़ सकता है। बीच अमेरिका या अन्य देश अपनी ब्याज दरें बढ़ाते हैं, तो अनिवासी भारतीय निवेशकों को आकर्षित किए रखने के लिए भारतीय बैंकों को भी अधिक ब्याज देना होगा। उससे देश पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। अभी ही इस योजना के कारण भारत पर विदेशी कर्ज का बोझ 765 बिलियन से बढ़ कर लगभग 900 बिलियन डॉलर हो गया है। जब केंद्र के राजस्व का 40 प्रतिशत और बजट का 26 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा हो, तो बढ़े ऋण के दुष्परिणाम को समझा जा सकता है। इसीलिए सवाल उठा है कि क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं? इसीलिए वित्तीय हलकों में यह अंदेशा जताया गया है कि कहीं इस योजना का हाल भी गोल्ड बॉन्ड स्कीम जैसा ना हो जाए!

राज्य योजनाओं में लागू होगा स्टेट सिंगल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल

सुनील त्रिपाठी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं के लिए राज्य एकल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। नई व्यवस्था का उद्देश्य राज्य योजनाओं में सरकारी निधि के प्रवाह को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, कुशल और प्रभावी बनाना है।

एस-एसएनए मॉडल के तहत विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियों के अनेक बैंक खातों में पहले से राशि रखने के बजाय प्रत्येक चिन्हित योजना के लिए एक केंद्रीकृत मुख्य खाता (मदर अकाउंट) बनाया जाएगा। योजना के लिए राशि वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही जारी होगी। भुगतान के समय एस-एसएनए खाते से संबंधित शून्य शेष सहायक खाते (जेडबीएसए) के माध्यम से सीधे विक्रेता अथवा हितग्राही के खाते में भुगतान किया जाएगा। इससे सरकारी धन लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगा और उपलब्ध निधि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य योजनाओं के लिए उपलब्ध प्रत्येक रुपये का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। एस-एसएनए मॉडल से सरकारी धन के प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। इससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होने के साथ सुशासन को भी अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की राशि अनावश्यक रूप से अलग-अलग बैंक खातों में पड़ी रहने के बजाय आवश्यकता के समय सीधे हितग्राही और विक्रेता तक पहुंचेगी। इससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

वित्तीय प्रबंधन को आधुनिक और परिणामोन्मुख बनाएगा मॉडल

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि एस-एसएनए मॉडल राज्य के वित्तीय प्रबंधन को अधिक आधुनिक, तकनीक आधारित और परिणामोन्मुख बनाएगा। इसका मूल उद्देश्य यह है कि जिस राशि की सरकार को तत्काल आवश्यकता नहीं है, उसे पहले से बैंक खातों में रखने के बजाय जरूरत पड़ने पर ही उपयोग में लाया जाए।

योगी की पाती और बदलते यूपी का सपना

[उत्सव प्रदेश का नारा — कितना सच्चा, कितना अधूरा?]

[सपना बड़ा है, परीक्षा और बड़ी — यूपी का नया अध्याय]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कभी उत्तर प्रदेश की पहचान उसके सामर्थ्य से नहीं, उसकी बदहाली से होती थी। अब उसी प्रदेश की पहचान बदलने का दावा है। योगी आदित्यनाथ की पाती इसी बदलाव का खाका सामने रखती है—बीमारू से आर्थिक शक्ति और अवसरों के केंद्र तक पहुंचने का। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में होने वाला चौथा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो इस दावे को दुनिया के सामने रखने का बड़ा मंच है। यह महज व्यापारिक प्रदर्शनी नहीं, नौ वर्षों की विकास-यात्रा का प्रदर्शन भी है। एमएसएमई और ओडीओपी जैसी योजनाओं से चार करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों का दावा, बढ़ता निर्यात तथा निवेश इस परिवर्तन के आधार के रूप में रखे गए हैं। लेकिन असली सवाल यहीं से शुरू होता है—इन आंकड़ों की चमक जमीन पर कितनी बदली हुई जिंदगी में दिखाई देती है। जिस प्रदेश का नाम कभी पिछड़ेपन, बेरोजगारी और पलायन से जुड़ा था, वही अब अपनी आर्थिक पहचान बदलने की कोशिश में है। विशाल आबादी, कमजोर औद्योगिक आधार, सीमित अवसर और कानून-व्यवस्था की पुरानी छवि ने लंबे समय तक यूपी को 'बीमारू' बनाए रखा। अब सरकार इस तस्वीर को बदलकर 'उत्सव प्रदेश' की पहचान गढ़ने का दावा कर रही है। इसकी बुनियाद बड़े आयोजनों से अधिक स्थानीय हुनर को बाजार से जोड़ने में है। 'एक जनपद एक उत्पाद' ने काशी की रेशमकारी, मुरादाबाद के पीतल और अलीगढ़ के तालों जैसे पारंपरिक उत्पादों को बाजार दिया। अब 'एक जनपद एक व्यंजन' इसी सोच को स्वाद और संस्कृति तक ले जा रहा है। लक्ष्य है—स्थानीय पहचान को बाजार की ताकत और वैश्विक पहचान में बदलना।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की अगली कड़ी है। इस बार जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया और बेलारूस साझेदार देश हैं। करीब 72 देशों से 600 अंतरराष्ट्रीय खरीदार और 2,400 से अधिक प्रदर्शक जुटेंगे। लेकिन सफलता भीड़ या भव्यता से नहीं, कारोबार से तय होगी—विदेशी खरीदार उत्पाद पसंद करने के साथ ऑर्डर दे, दोबारा लौटे और स्थानीय उद्यमी उत्पादन बढ़ाए, तभी यह आयोजन आर्थिक सफलता बनेगा। उत्तर प्रदेश के सामने अब 'वोकल फॉर लोकल' को वैश्विक सप्लाई चेन से जोड़ने की चुनौती है। इसके लिए कारीगर को डिजाइन, पूंजी, तकनीक,

गुणवत्ता, पैकेजिंग और निर्यात की समग्र व्यवस्था देनी होगी।

विकास की सबसे बड़ी कसौटी रोजगार है। सरकार पिछले नौ वर्षों में साढ़े नौ लाख सरकारी नियुक्तियों और अगले छह महीनों में एक लाख और नियुक्तियों की बात करती है। एमएसएमई और ओडीओपी से चार करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों का दावा भी इसी तस्वीर का हिस्सा है। युवाओं से नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाला बनने को कहा जा रहा है। लेकिन उद्यमिता के लिए बैंक ऋण, बाजार, कौशल, तकनीक, बिजली, सरल नियम और कारोबारी भरोसा जरूरी हैं। चार करोड़ अवसरों की असली तस्वीर तभी सामने आएगी, जब पता चले कि कितने स्थायी हैं, कितनों से पर्याप्त आय हो रही है और कितने युवाओं का रोजगार के लिए प्रदेश से बाहर जाना घटा है। यूपी का सपना तभी मजबूत होगा, जब युवा अपना भविष्य इसी प्रदेश में देख सके।

एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तभी सार्थक है, जब यूपी की संभावनाएं जमीन पर आर्थिक गतिविधि में बदलें। प्रदेश के पास बड़ा बाजार, श्रमशक्ति, कृषि, उद्योग और घरेलू मांग है। एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारे, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, पर्यटन, कृषि-प्रसंस्करण और एमएसएमई इसके विस्तार के आधार हैं। कानून-व्यवस्था में सुधार और बुनियादी ढांचा निवेश की जमीन तैयार करते हैं। लेकिन निवेश प्रस्ताव और वास्तविक निवेश अलग हैं। कागज पर दर्ज हजारों करोड़ रुपये तब तक अर्थव्यवस्था नहीं बनते, जब तक कारखाने न लगें, उत्पादन और रोजगार न बढ़े। योगी सरकार के विकास मॉडल की असली परीक्षा घोषणाओं और नतीजों के बीच की दूरी घटाने में है।

विकास की यह तस्वीर राजनीतिक संदर्भ से अलग नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले विकास, निवेश, कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढांचे की उपलब्धियां स्वाभाविक रूप से राजनीतिक महत्व रखती हैं और सरकार उन्हें व्यापक विकास-वृत्तांत के रूप में प्रस्तुत कर रही है। लेकिन लोकतंत्र में उपलब्धि का अंतिम पैमाना प्रचार नहीं, नागरिक का अनुभव है। किसान की आय, महंगाई, रोजगार की गुणवत्ता, छोटे कारोबारी की स्थिति और गांव-कस्बों तथा बड़े शहरों के बीच अवसरों का अंतर ही असली सवाल हैं। नोएडा का चमकता मंच तभी पूरे यूपी की तस्वीर बनेगा, जब बलिया, बहराइच, बुंदेलखंड, मुरादाबाद और चित्रकूट का छोटा उद्यमी भी कह सके कि उसके कारोबार के अवसर सचमुच बदले हैं।उत्तर प्रदेश की ताकत केवल सरकारी योजनाओं में नहीं, उसकी विविध स्थानीय पहचान और सामाजिक-सांस्कृतिक पूंजी में भी है। ब्रज की संस्कृति, अवध का स्वाद, पूर्वांचल का श्रम, बुंदेलखंड की जीवटता और पश्चिमी यूपी की औद्योगिक क्षमता मिलकर एक बड़े आर्थिक प्रदेश की ताकत बनती हैं। इन्हें बाजार, पर्यटन और निर्यात से जोड़ने पर संस्कृति केवल विरासत नहीं रहती, आय का स्रोत बनती है।

यही 'उत्सव प्रदेश' की सार्थकता है—उत्सव के पीछे उत्पादन, उत्पादन के पीछे बाजार और बाजार के साथ आम आदमी की बढ़ती आय।सपना बड़ा है, इसलिए उसकी परीक्षा भी बड़ी होगी। 'बीमारू' की छवि न एक दिन में बनी थी, न किसी एक आयोजन से मिटेगी; यह लंबी आर्थिक यात्रा है, जिसमें ट्रेड शो एक महत्वपूर्ण पड़ाव हो सकता है, मंजिल नहीं। असली बदलाव तब दिखेगा, जब यूपी के उत्पाद एक्सपो की दीवारों से निकलकर दुनिया के बाजारों तक पहुंचें; कारीगर को बिचौलिया नहीं, सीधा बाजार मिले; युवा को पलायन नहीं, अपने प्रदेश में अवसर दिखे; और निवेश प्रस्ताव कारखानों, उत्पादन और रोजगार में बदलें। तभी 'उत्सव प्रदेश' सरकारी शब्द नहीं, उत्तर प्रदेश की नई आर्थिक पहचान बनेगा। जो प्रदेश कभी 'बीमारू' कहलाने की विवशता से जूझता था, वह अब अपने भाग्य का निर्माता बनने की राह पर है। सपना घोषित हो चुका है—अब उसकी सच्चाई परिणाम लिखेंगे।

भूमिगत संरचना का मानचित्रणः संपूर्ण प्रणाली और संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण के ज़रिए किस प्रकार आईसीएआर की 'मृदा आसूचना' भारत के विशाल अवसंरचना विस्तार को नया रूप दे रही है

एम.एल. जाट और एन.जी. पाटिल

भारत अभूतपूर्व और ऐतिहासिक गति से अपने डिजिटल, फिज़िकल (भौतिक) और फिजिटल (फिजिकल+डिजिटल) भविष्य का निर्माण कर रहा है। देश हर वर्ष औसतन 4.5 लाख से अधिक रूट किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, जबकि साथ ही लगभग 11,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 6,500 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया जा रहा है और हर वर्ष लगभग 5,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक जोड़े जा रहे हैं। इस व्यापक विस्तार का अर्थ है कि देशभर में डिजिटल कनेक्टिविटी के 22.8 लाख किलोमीटर के आश्चर्यजनक विस्तार वाले बहुवर्षीय राष्ट्रीय विस्तार के साथ-साथ, देश प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर राजमार्ग और 12 से 15 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण कर रहा है। फिर भी, जैसे-जैसे ये विस्तृत परिवहन गलियारे, अल्ट्रा-मेगा सौर पार्क और विशाल डिजिटल नेटवर्क विस्तार पा रहे हैं, कृषि विज्ञान के नेतृत्व में एक शांत तकनीकी सहयोग भूमि की सतह के ठीक नीचे हो रहा है।

बड़े परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वालों को अक्सर पहले से मिट्टी की खुदाई की लागत का अनुमान तैयार करना पड़ता है, भले ही पहले से कोई भूवैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध न हो। चूंकि परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया की समय-सीमा बहुत कम होती है, इसलिए त्वरित और विश्वसनीय मृदा संबंधी आंकड़े इस जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं—विशेषकर तब, जब परियोजना भारत के बाहर स्थित हो और स्थानीय भू-भाग संबंधी आंकड़ों तक पहुंच कठिन हो। इसके अलावा, बोली जीतने के बाद, परियोजना क्रियान्वयन-कर्ताओं को बार-बार आने वाली करोड़ों रुपये की समस्या का सामना करना पड़ता है: नरम मिट्टी में आसानी से खुदाई करते हुए इंजीनियरिंग दल अचानक भूमिगत चट्टान की कठोर दीवार से टकरा जाता है, या भ्रामक काली कपास मिट्टी पर बनाई गई नई सड़क में दरारें पड़ने लगती हैं और वह उखड़ने लगती है। काम रुक जाता है, मशीनरी बेकार खड़ी रहती है और परियोजना की लागत आसमान छूने लगती है। इस महत्वपूर्ण सूचना अंतराल को पाटने के लिए, नागपुर स्थित आईसीएआर राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएस एवं एलयूपी) के वैज्ञानिकों ने एक क्रांतिकारी प्रतिमान विकसित किया है: मृदा आसूचना-आधारित पूर्वानुमानात्मक इंजीनियरिंग। दशकों से उपलब्ध मृदा विज्ञान संबंधी आंकड़ों को उन्नत मशीन लर्निंग के साथ जोड़कर, आईसीएआर बुनियादी ढांचा योजनाकारों को जमीन में पहली फावड़ी लगने से पहले ही पृथ्वी के बारे में एक्स-रे दृष्टि प्रदान कर रहा है—यह सिद्ध करते हुए कि कृषि अनुसंधान खेतों से कहीं आगे राष्ट्रीय विकास का एक आधारभूत चालक है।

गति और विस्तार की अनदेखी की गई चुनौतियां

भारत में वर्तमान अवसंरचना विस्तार की अत्यधिक तीव्र गति के कारण पारंपरिक नियोजन स्वयं एक बाधा बन गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल डिजिटल फुटप्रिंट लगभग 19.35 लाख रूट किलोमीटर से बढ़कर 42.36 लाख रूट किलोमीटर से अधिक हो गया है, जो कई वर्षों में हुए व्यापक विस्तार को दर्शाता है। इसी हालिया पांच-वर्षीय अवधि में, देश ने 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। इसी दौरान, भारतीय रेलवे ने 33,000 से अधिक रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया है, जो औसतन लगभग 6,600 किलोमीटर प्रतिवर्ष है और ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण को लगभग 99.6त्न तक पहुंचाता है, जिसकी दर प्रतिदिन 15 से अधिक रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण की है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में, भारत ने अपनी प्रमुख सौर योजना के तहत 54 से 56 बड़े पैमाने के सौर पार्कों को मंजूरी दी है, जिनकी स्वीकृत क्षमता लगभग 39.5 गीगावाट है, जिससे 100 से अधिक सार्वजनिक और निजी पार्कों में कुल ग्राउंड-माउंटेड सौर क्षमता 122 गीगावाट से अधिक हो गई है।

इन विशाल कार्यों में शामिल कई सरकारी और निजी एजेंसियां—चाहे वे भूमिगत संचार लाइनों को बिछाने, विद्युत पारेषण टावर खड़े करने या विशाल सौर संरचनाओं को आधार प्रदान करने का काम कर रही हों—सटीक भूमिगत आंकड़ों पर अत्यधिक निर्भर रहती हैं। फिर भी, पारंपरिक प्रारंभिक भू-तकनीकी सर्वेक्षण में काफी समय और लागत लगती है। चूँकि, परियोजनाएं इतनी तेजी से आगे बढ़ रही हैं, ये महत्वपूर्ण मृदा जांच अक्सर छोड़ दी जाती हैं या सीमित कर दी जाती हैं। इसका परिणाम? अनिश्चित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), भ्रामक लागत अनुमान और बोलीदाताओं के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम।

कृषि-अवसंरचना संबंध

आईसीएआर-एनबीएसएस एवं एलयूपी ने इस सूचना-अंतराल को एक प्रमाणित, समय-परीक्षित प्रौद्योगिकी के माध्यम से दूर किया है, जो पूरे भारत और कई अन्य देशों में काम करती है। उपग्रह रिमोट सेंसिंग और मशीन लर्निंग का उपयोग करके, आईसीएआर स्थल-विशिष्ट भू-तकनीकी मृदा गुणों, जैसे मृदा की गहराई, अंतिम वहन क्षमता (सिविल इंजीनियरिंग संरचना को सहारा देने में निर्णायक कारक), स्थूल घनत्व आदि का पूर्वानुमान लगाता है, जिसके लिए भूमि की धीमी, महंगी और विघटनकारी ड्रिलिंग की आवश्यकता नहीं होती।

यह पद्धति पूरी तरह स्वचालित पाइपलाइन के अंतर्गत बहु-स्रोत भू-स्थानिक इनपुट पर मशीन-लर्निंग रिग्रेशन मॉडल का उपयोग करती है। उपग्रह चित्रों, डिजिटल एलिवेशन मॉडल, भू-भाग की ढलान संबंधी व्युत्पन्न आंकड़ों, लिथोलॉजी और भूजल स्तर को संसाधित करके, आईसीएआर का मृदा वर्गीकरण इंजन सटीक, स्थल-विशिष्ट पूर्वानुमान तैयार करता है।

आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप किसी जरूरी कार्य को पूरा करने के लिए ऑफिस में स्टाफ के साथ विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप कारोबार में किसी बड़ी डील को फाइनल कर सकते हैं, जिसमें आपको बड़ा धन लाभ होगा। आज हर तरफ से मामलों पर आपको सकारात्मक रहना होगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी बड़ी कंपनी में इन्वेस्ट करने से पहले किसी एक्सपर्ट की सलाह अवश्य लें, जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा लाभ हो सके। आज आप सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी भी काम को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करेंगे तो आपको सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे। आज आपको जीवनसाथी के साथ किसी समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। आज आप दोस्त के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे और कुछ काम की बात भी कर सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप किसी भी बड़े काम को करने से पहले माता-पिता और गुरु का आशीर्वाद अवश्य ले लें। आज आपको संतान के सहयोग से कारोबार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे सब अच्छे से हो जाएगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना बनती दिख रही है। आज आप किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी समझदार व्यक्ति से सलाह जरूर ले लें। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप बहुत अच्छे से पूरा करेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज कारोबार में अधिक लाभ होने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। आज आपके किसी रिश्तेदार से रिश्ते बेहतर होंगे, आपसी मधुरता बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके अधिकतर काम सफल होंगे, आप धैर्य और संयम बनाए रखें। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगा। साथ ही आप पिता की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि की महिलाएं ऑफिस और घर के कार्यों को संतुलित बनाने में सफल होंगी। आज ऑफिस में आपको नई जिम्मेदारी मिलेगी, जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे।

धनु राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे वह समय पर पूरा हो जाएगा। साथ ही आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। आज आप किसी चीज को समझने के लिए अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं।

मकर राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जाएगा। साथ ही किसी रिश्तेदार से आपको खुशखबरी मिलेगी। आज जीवनसाथी आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में अपनापन बना रहेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन खुशहाल बना रहेगा। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी, बॉस भी आपसे खुश नजर आएंगे। साथ ही किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है।

मीन राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपको व्यापारिक लाभ कमाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपको अपनी वाणी पर संयम बनाए रखने की जरूरत है तथा किसी बात को लेकर ज्यादा जिद करने से भी बचना चाहिए। आज आप सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे, समाज में आपका सम्मान होगा।

राजकोष पर बोझ या घर में क्रांति? असली सवाल यही है

नकद की दस्तक — महिला के खाते से घर की अर्थव्यवस्था तक

कृति आरके जैन

किसी घर की आर्थिक ताकत अलमारी में रखे नोटों से नहीं, उस हाथ से तय होती है जो अगला रुपया खर्च करता है। भारत के करोड़ों घरों में यह फैसला लंबे समय तक उस महिला के हाथ में नहीं था, जो भोजन, बच्चों की पढ़ाई और परिवार की देखभाल संभालती रही। अब सरकारें उसी महिला के बैंक खाते में हर महीने या निश्चित अंतराल पर पैसा भेज रही हैं—न कूपन, न वस्तु, न खर्च की शर्त; सीधा नकद। यही इस बदलाव की असली कहानी है। पीआरएस विधायी अनुसंधान के अनुसार, 2025-26 में 12 राज्यों ने महिलाओं के लिए बड़े पैमाने पर बिना शर्त या लगभग बिना शर्त नकद हस्तांतरण की योजनाएं लागू कीं, जिन पर करीब 1.68 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान था।

नकद सहायता की ताकत रकम में नहीं, उसे खर्च करने की स्वतंत्रता में है। इसे केवल 'सरकारी पैसा बांटना' कहना अधूरा है। महिला तय कर सकती है कि पैसा राशन, फीस, दवा, कर्ज या बचत में जाए। अध्ययनों में पश्चिम बंगाल की लक्ष्मी भंडार जैसी योजनाओं में राशि का उपयोग घरेलू खर्च, शिक्षा, चिकित्सा और छोटे कारोबार में होने का उल्लेख है। मध्य प्रदेश में एसबीआई रिसर्च के अनुसार, लाड़ली बहना लाभार्थियों का व्यापारी प्रतिष्ठानों पर खर्च समान गैर-लाभार्थी समूह की तुलना में करीब 9,302 रुपये अधिक बढ़ा। यह हर रुपये के उत्पादक निवेश का प्रमाण नहीं, लेकिन कम आय वाले परिवारों में नकदी बढ़ने से आर्थिक गतिविधि बढ़ सकती है।अतिरिक्त नकद का असर खर्च के साथ बचत में भी दिखता है। 2026 में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद से जुड़े अध्ययन ने महाराष्ट्र की लाड़की बहिन और ओडिशा की सुभद्रा योजना के बैंकिंग आंकड़ों का विश्लेषण किया। महाराष्ट्र में लाभार्थियों के महीने के अंत के बैंक बैलेंस में करीब 84 प्रतिशत यानी 6,884 रुपये की वृद्धि और मासिक खर्च में 46 प्रतिशत बढ़ोतरी पाई गई। ओडिशा में बैंक बैलेंस करीब 45 प्रतिशत यानी 6,887 रुपये बढ़ा, जबकि खर्च 28 प्रतिशत बढ़ा। अध्ययन के अनुसार, महाराष्ट्र में अतिरिक्त एक रुपये में करीब 90 पैसे खर्च हुए। यानी नकद सहायता तत्काल जरूरतें पूरी करने के साथ निम्न-आय परिवारों की आर्थिक कमी भरती और वित्तीय सुरक्षा देती है।

महिला के खाते में आया पैसा घर की अर्थव्यवस्था के साथ उसकी स्थिति भी बदल सकता है। भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और बच्चों की जरूरतों पर खर्च की स्वतंत्रता बढ़े तो उसका असर अगली पीढ़ी तक जा सकता है। बैंक खाते और डीबीटी ने बिचौलियों की भूमिका घटाकर भुगतान को अधिक प्रत्यक्ष बनाया है। डिजिटल लेन-देन से वित्तीय समावेशन भी बढ़ सकता है। लेकिन खाते का मालिक होना और पैसे पर वास्तविक नियंत्रण होना एक बात नहीं है। बैंकिंग सुविधा दूर हो, डिजिटल साक्षरता कम हो या परिवार का कोई अन्य सदस्य खाते और मोबाइल पर नियंत्रण रखता हो, तो कागजी स्वायत्तता वास्तविक स्वायत्तता में नहीं बदलती। इसलिए नकद के साथ बैंकिंग सहायता, डिजिटल ज्ञान और वित्तीय साक्षरता जरूरी हैं। लेकिन इस तस्वीर का दूसरा पहलू भी है, जिसे उत्साह में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीआरएस के अनुसार, 2025-26 में इन 12 राज्यों में छह ने राजस्व घाटे का अनुमान लगाया था। रिपोर्ट ने रेखांकित किया कि नकद हस्तांतरण पर बढ़ता खर्च दूसरी उत्पादक मदों के लिए राज्यों की वित्तीय गुंजाइश प्रभावित कर सकता है। मध्य प्रदेश में 2025-26 के बजट अनुमान में नकद हस्तांतरण के लिए 20,821 करोड़ रुपये का प्रावधान था, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का करीब 1.23 प्रतिशत था। इसलिए सवाल यह नहीं कि महिला को आर्थिक सुरक्षा मिलनी चाहिए या नहीं; असली सवाल है कि इसकी कीमत क्या है और इसे लंबे समय तक वित्तीय रूप से कैसे टिकाया जाएगा।नकद सहायता पर बड़ा सवाल निर्भरता और अवसर-लागत का है। राज्य की सीमित आय का बड़ा हिस्सा नियमित नकद भुगतान में जाए तो सड़क, सिंचाई, स्कूल, अस्पताल, कौशल और रोजगार जैसी दीर्घकालिक जरूरतों के लिए कम गुंजाइश बच सकती है। लेकिन नकद को केवल 'मुफ्त की रकम' कहना भी सरलीकरण होगा। नियमित आय गरीब परिवारों को कर्ज के दबाव से निपटने, जरूरी खर्च टालने से बचने और आर्थिक फैसले लेने में मदद कर सकती है। इसलिए सवाल 'नकद या विकास' का नहीं, बल्कि नकद सुरक्षा को रोजगार, कौशल और संपत्ति निर्माण से जोड़ने का है। लक्ष्यीकरण भी अहम है—ढीला हो तो संसाधन गलत जगह जा सकते हैं और कठोर हो तो जरूरतमंद महिलाएं बाहर रह सकती हैं।आगे की राह 'कैश' नहीं, 'कैश प्लस' होनी चाहिए। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के 2026 के अध्ययन ने नकद हस्तांतरण को कौशल-विकास, डिजिटल साक्षरता और स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने तथा लाभार्थियों और राशि की समय-समय पर समीक्षा की जरूरत बताई है। मध्य प्रदेश की लाड़ली बहना जैसी योजना में नियमित सहायता के साथ सिलाई, पशुपालन, खाद्य-प्रसंस्करण, छोटे व्यापार, स्वयं सहायता समूह और बाजार से जुड़ने के अवसर मिलें, तो रकम उपभोग से आगे आय का साधन बन सकती है। यह भी सार्वजनिक होना चाहिए कि कितने लाभार्थी हैं, कितना पैसा पहुंचा, कितनी शिकायतें आईं और स्वतंत्र मूल्यांकन में क्या परिणाम मिले। लोकप्रिय योजना को जवाबदेह बनाना अगली परीक्षा है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार,23 सितम्बर 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

स्कूल में खूनी खेल, क्लासरूम के बाहर महिला टीचर को घसीटकर मारी गोली, प्रेमी ने खुद की भी ली जान

लखीमपुर खीरी ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में एक दिल दहला देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। थाना सदर कोतवाली क्षेत्र के एक स्कूल परिसर में घुसकर सिरफिरे प्रेमी ने अपनी प्रेमिका और स्कूल की महिला टीचर निशात फातिमा को क्लासरूम के सामने गोली मार दी। शिक्षिका की मौके पर ही मौत हो गई। इसके फौरन बाद आरोपी ने उसी तमंचे से अपनी कनपटी पर गोली मारकर खुदकुशी कर ली। दिनदहाड़े स्कूल के भीतर हुई इस दोहरी मौत की वारदात से पूरे परिसर और इलाके में चीख-पुकार और दहशत का माहौल बन गया।

CCTV में कैद हुआ खौफनाक मंजर, सीढ़ियों से घसीटता दिखा आरोपी

वारदात का एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाला सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जो घटना की भयावहता को साफ बयां कर रहा है। फुटेज में आरोपी सऊद अंसारी बेखौफ होकर स्कूल की पहली मंजिल की तरफ शिक्षिका निशात फातिमा को जबरन हाथ पकड़कर घसीटते हुए ले जाता नजर आ रहा है। महिला टीचर खुद को छुड़ाने की कोशिश करती दिख रही है, लेकिन आरोपी उसे जबरदस्ती पहली मंजिल तक खींच ले गया और क्लासरूम के बिल्कुल सामने उसे गोली मार दी।

दिल्ली में एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार, 3 कार्ड बरामद, 6 वारदातों में था शामिल

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्वी दिल्ली की मयूर विहार पुलिस ने एटीएम में ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों का ध्यान भटकाकर उनका एटीएम कार्ड बदल देता था और फिर खाते से पैसे निकाल लेता था। पुलिस ने उसके पास से 3 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पूर्वी जिला राजीव कुमार के अनुसार, आरोपी की पहचान आसिफ (30) के रूप में हुई है, जो लोनी, गाजियाबाद का रहने वाला है। वह पहले भी 6 आपराधिक मामलों में शामिल पाया गया है।

17 सितंबर को सुबह 11:15 बजे शिकायतकर्ता मो. गालिब हुसैन त्रिलोकपुरी स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम पर पैसे निकालने गए थे। उसी दौरान दो अनजान लोगों ने उनसे बातचीत शुरू कर उनका ध्यान भटका दिया और उनका एटीएम पिन देख लिया। फिर धोखे से उनका कार्ड बदलकर वैसा ही दिखने वाला दूसरा कार्ड थमा दिया। जब गालिब को शक हुआ और उन्होंने कार्ड चेक किया तो वह उनका नहीं था।

शिकायतकर्ता ने आस-पास के एटीएम बूथों पर तलाश शुरू की और त्रिलोकपुरी में ही एक्सिस बैंक के दूसरे एटीएम पर उन्हीं संदिग्धों को देख लिया। सामना होने पर दोनों भागने लगे लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से एक आरोपी आसिफ को पकड़ लिया गया। इस संबंध में मयूर विहार थाने में एफआईआर नंबर 416/2026 दर्ज की गई।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने कक्षा 6 से 8 तक के लिए विस्तारित नाश्ता योजना शुरू की

चेन्नई ,(आरएनएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को पेरुंथलैवर कामराज ब्रेकफास्ट स्कीम का विस्तार किया। इसके तहत राज्य भर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को सुबह का मुफ्त नाश्ता दिया जाएगा। विजय ने चेन्नई के थिरुवनमियूर में गांधीग्राम स्थित कॉर्पोरेशन मिडिल स्कूल में विस्तार कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने छात्रों को पोंगल परोसा और फिर उनके साथ बैठकर नाश्ता किया। इस विस्तार से कार्यक्रम के तहत 15.30 लाख और छात्र जुड़ेंगे। कुल मिलाकर, 44,984 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले 34.64 लाख बच्चों को अब इस योजना का लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार ने इस विस्तारित कार्यक्रम को लागू करने के लिए अतिरिक्त 217.63 करोड़ आवंटित किए हैं। इसे चेंगलपट्टू जिले के मदुरंतकम निर्वाचन क्षेत्र और तिरुप्पुर जिले के धारापुरम को छोड़कर सभी जिलों में शुरू किया गया है, जहां विधानसभा उपचुनाव होने हैं।

नाश्ता कार्यक्रम मूल रूप से 2022 में डीएमके सरकार के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा शुरू किया गया था। शुरुआत में यह सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए था और बाद में इसे सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों तक भी बढ़ा दिया गया।

इस कार्यक्रम को बच्चों में कुपोषण से लड़ने, स्कूल में बच्चों की हाजिरी बढ़ाने और स्टूडेंट्स को पढ़ाई बीच में छोड़ने के बजाय उसे जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से शुरू किया गया था।हाल ही में इसे बढ़ाने से पहले, इसमें 37,447 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले 19.34 लाख स्टूडेंट्स शामिल थे।टीवीके सरकार के सत्ता में आने के बाद इस कार्यक्रम का नाम बदलकर पेरुंथलैवर कामराज ब्रेकफास्ट स्कीम कर दिया गया। बाद में विजय ने घोषणा की कि इसे छठी, सातवीं और आठवीं क्लास तक बढ़ाया जाएगा।

इसे शुरू करने का कार्यक्रम पहले 17 सितंबर के लिए तय किया गया था, जो समाज सुधारक पेरियार ई.वी. रामासामी की जयंती का दिन था। इसे 22 सितंबर तक के लिए टाल दिया गया, क्योंकि विजय तमिलनाडु में औद्योगिक निवेश लाने के लिए लंदन गए हुए थे।तय किए गए साप्ताहिक मेन्यू के अनुसार, छात्रों को सोमवार को उपमा, मंगलवार को खिचड़ी, बुधवार को पोंगल, गुरुवार को उपमा और शुक्रवार को मीठा व्यंजन परोसा जाएगा।अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि खाना पौष्टिक हो और साफ़-सुथरे माहौल में तैयार किया जाए।सीएम विजय ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे किचन और डाइनिंग एरिया का नियमित निरीक्षण करें, साफ-सफाई बनाए रखें और स्टूडेंट्स को दिए जाने वाले खाने की क्वालिटी और समय पर वितरण पर कड़ी नजर रखें।

दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास नाबालिग से गैंगरेप; नकली पुलिसकर्मी बनकर आए थे 3 आरोपी, एक एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली में महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के प्रतिष्ठित कालकाजी और इस्कॉन मंदिर के समीप स्थित आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) की रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर किशोरी और उसके साथी को धमकाया और बंधक बनाकर वारदात को अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बुधवार सुबह एक संक्षिप्त मुठभेड़ (शॉर्ट एनकाउंटर) के बाद एक आरोपी को धर दबोचा, जबकि दो अन्य की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। दर्शन के बाद पार्क गई थी पीड़िता, नकली पुलिसकर्मी बनकर आए आरोपीपुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार शाम की है:

मंदिर दर्शन और पार्क17 वर्षीय पीड़िता अपने 17 वर्षीय दोस्त के साथ कालकाजी मंदिर में दर्शन करने आई थी। दर्शन करने के बाद दोनों शाम करीब 7:00 बजे पास ही स्थित आस्था कुंज पार्क में टहलने चले गए।

धमकी और बंधक बनाना: शाम करीब 7:30 बजे पार्क में 25 से 30 वर्ष की उम्र के तीन अज्ञात युवक पहुंचे। उन्होंने खुद को दिल्ली पुलिस का कर्मचारी बताते हुए दोनों को डराया-धमकाया और कानूनी कार्रवाई का खौफ दिखाया। सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता के अनुसार, आरोपियों में से दो ने उसके दोस्त को मजबूती से पकड़कर बंधक बनाए रखा, जबकि तीनों ने बारी-बारी से उसके साथ घिनौनी हरकत (गैंगरेप) की। रात 8:45 बजे मिली सूचना, सुबह मुठभेड़ में पकड़ा गया एक आरोपीवारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। रात करीब 8:45 बजे दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम (PCR) को कालकाजी और इस्कॉन मंदिर के पास एक नाबालिग से गैंगरेप की सूचना मिली।कॉल मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और स्थानीय थाना पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया और पॉक्सो (POCSO) एक्ट व भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विशेष टीमों का गठन किया गया। मुठभेड़ में गिरफ्तारी: पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों और तकनीकी निगरानी की मदद से आरोपियों का सुराग लगाया। बुधवार तड़के पुलिस और बदमाशों के बीच हुई संक्षिप्त मुठभेड़ (शॉर्ट एनकाउंटर) के बाद एक मुख्य आरोपी को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया।

फरार आरोपियों की तलाश:पुलिस की क्राइम ब्रांच और स्पेशल स्टाफ की कई टीमें शेष दो फरार आरोपियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के महानिदेशक अनुराग गर्ग, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक महेश दीक्षित और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक संजय कुमार के साथ नई दिल्ली के भारत मंडपम में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान।

भारत की जीडीपी ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में 7.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद, मौद्रिक नीति का महंगाई पर होगा फोकसः अर्थशास्त्री

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। भारत की विकास दर वित्त वर्ष 27 में औसत 7.3 प्रतिशत रह सकती है और इसे मजबूत कैपिटल इनफ्लो से सहारा मिलेगा। यह बयान डीबीएस बैंक में अर्थशास्त्री राधिका राव ने मंगलवार को दिया। भारत की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 27 की शुरुआत मजबूती से की है। इस दौरान पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर विकास दर 7.8 प्रतिशत रही, जिसे मजबूत घरेलू मांग, खपत, सरकारी पूंजीगत व्यय और मैन्युफैक्चरिंग का सहारा मिला। डीबीएस बैंक की सीनियर इकोनॉमिस्ट और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राधिका राव ने कहा, जीएसटी कलेक्शन, ई-वे बिल, बिजली की मांग और डिजिटल पेमेंट जैसे हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर मजबूत बने हुए हैं। हालांकि, वित्त वर्ष27 की दूसरी छमाही में विकास दर के धीमे होने की उम्मीद है, क्योंकि मुश्किल वित्तीय हालात, ऊर्जा की ऊंची कीमतें और बड़ा आधार अर्थव्यवस्था की रफ्तार पर असर डालेंगे।

अगस्त में महंगाई दर बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गई। चीनी, दूध, प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों और खाने के तेल जैसी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ ऊर्जा और ट्रांसपोर्ट की लागत बढ़ने से यह दबाव बना।औसत से कम मानसूनी बारिश और अल-नीनो का बढ़ता खतरा आने वाली फसल की पैदावार पर दबाव डाल सकता है।राव के अनुसार, इन हालात को देखते हुए उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में हेडलाइन महंगाई दर 5 प्रतिशत से ऊपर बनी रहेगी, जिससे मॉनेटरी पॉलिसी का मुख्य ध्यान महंगाई से जुड़े जोखिमों पर रहेगा।

छात्र खुदकुशी मामले में आईआईटी बॉम्बे ने डायरेक्टर के इस्तीफे की खबरों को बताया झूठा, जारी किया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। आईआईटी बॉम्बे ने सोमवार को उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि एक छात्र की आत्महत्या के कारण संस्थान के निदेशक शिरीष बी. केदारे ने इस्तीफा दे दिया है। संस्थान ने इन खबरों को गलत बताया। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी दिखाई दे रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि आईआईटी-बॉम्बे के डायरेक्टर ने इस्तीफा दे दिया है। आईआईटी-बॉम्बे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि आईआईटी-बॉम्बे के डायरेक्टर ने इस्तीफा नहीं दिया है। हम साफ तौर पर कहते हैं कि इससे जुड़ी खबर झूठी है।

एक और पोस्ट में संस्थान ने छात्र साहिल वाकोडे की मौत से जुड़े हालात के बारे में पहले दिए गए बयानों के लिए माफी मांगी। संस्थान ने कहा कि साहिल की मौत से जुड़े हालात के बारे में हमारे पहले के बयानों के लिए हम माफी मांगते हैं। घटना की वजह और हालात की जांच सही अधिकारियों द्वारा की जा रही है। चल रही जांच को देखते हुए साहिल की मौत से पहले की घटनाओं के बारे में जानकारी देना या उन्हें किसी तरह से बताना ठीक नहीं था, जब तक कि सही जांच प्रक्रिया से वे पूरी तरह साबित न हो जाएं।इस बीच आईआईटी बॉम्बे के डायरेक्टर ने कहा कि प्रोफेसर डूला को तुरंत प्रभाव से डीन के पद से सस्पेंड कर दिया गया है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।शुक्रवार को कैंपस में हुई आत्महत्या के बाद आईआईटी-बॉम्बे में विरोध कर रहे छात्रों के पीछे न हटने पर संस्थान ने सोमवार को छात्रों द्वारा उठाए गए मुद्दों और उनकी मांगों पर चर्चा करने के लिए अपने बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की एक खास बैठक बुलाई।

नकली दवाओं के रैकेट पर सरकार की बड़ी कार्रवाई, स्वास्थ्य विभाग ने उपभोक्ताओं को किया आगाह

बेंगलुरु ,(आरएनएस)। बिदादी में नकली दवाओं के रैकेट का पता चलने के बाद राज्य सरकार की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है। कर्नाटक स्वास्थ्य विभाग की ओर से फाइजर सी-एफ डिपो और आठ अन्य दवा लाइसेंस सस्पेंड कर दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को नागरिकों से अपील की कि वे केवल लाइसेंस प्राप्त फार्मेसी से ही वैध टैक्स इनवॉइस के साथ दवाएं खरीदें और संदिग्ध पैकेजिंग या लेबल पर क्यूआर कोड स्कैन न होने जैसी बातों की जानकारी ड्रग एनफोर्समेंट अधिकारियों को दें।यह कार्रवाई 18 अगस्त को बेंगलुरु दक्षिण जिले के बिदादी में कुरुबाराकेरानाहल्ली के एक फार्महाउस पर कर्नाटक खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन (एफडीए) के ड्रग एनफोर्समेंट विंग द्वारा की गई छापेमारी के बाद की गई है। इस ऑपरेशन में कथित तौर पर बिना लाइसेंस के दवा की रीपैकेजिंग और रीलेबलिंग का रैकेट पकड़ा गया।

छापेमारी के दौरान लगभग 5.05 करोड़ रुपये मूल्य की नकली दवाएं, मशीनरी और प्रिंटिंग सामग्री जब्त की गई। जब्त की गई सामग्री की इन्वेंट्री वैल्यू लगभग 4.91 करोड़ रुपये आंकी गई थी। शुरुआती जांच के अनुसार, पड़ोसी राज्यों से खरीदी गई सस्ती दवाओं को कथित तौर पर नई शीशियों में दोबारा पैक किया गया और उन पर ऐसे लेबल लगाए गए जिससे वे मल्टीनेशनल कंपनियों की महंगी जीवन रक्षक दवाओं जैसी दिखें, जिनमें फाइजर ब्रांड के उत्पाद भी शामिल थे।

अधिकारियों को संदिग्ध नकली लेबल पर क्यूआर और स्कैनिंग कोड भी मिले, जो जांचने पर काम नहीं कर रहे थे। अधिकारियों का कहना है कि जब्त किए गए उत्पादों में कोई सक्रिय औषधीय तत्व नहीं होने, गलत सामग्री या संभावित रूप से हानिकारक पदार्थ होने का संदेह है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य को गंभीर खतरा हो सकता है।

ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। विभाग ने नकली दवाओं से संबंधित प्रावधान लागू किए हैं, जबकि देश भर के छह राज्यों में पूरी सप्लाई चेन की पहचानने और उसका पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।नकली दवाओं के वितरण और बिक्री में कथित तौर पर शामिल खुदरा विक्रेताओं और थोक विक्रेताओं की जांच के हिस्से के रूप में, 16 दवा लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं और आठ लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। बेंगलुरु ग्रामीण जिले के नेलमंगला तालुक के केम्पलिंगनाहल्ली में स्थित फाइजर सी-एफ डिपो का लाइसेंस भी निलंबित कर दिया गया है।विभाग ने कर्नाटक एफडीए पोर्टल पर जब्त दवाओं के बैच नंबर और एंट्री को ब्लॉक कर दिया है, जिससे कि उनकी आगे बिक्री या वितरण को रोका जा सके। जब्त उत्पादों के नमूने भी प्रयोगशालाओं में परीक्षण के लिए भेजे गए हैं ताकि उनकी रासायनिक संरचना, स्टेरिलिटी और क्षमता का पता लगाया जा सके।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर हाईकोर्ट सख्त, मुख्य सचिव को दिए कड़े निर्देश, डीएम को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के स्कूलों में पढ़ने वाले मासूम बच्चों के सुरक्षित परिवहन को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने प्रदेश भर के स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों को कई सख्त और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। न्यायालय ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि वह जिला स्कूल वाहन सुरक्षा समिति की नियमित बैठकें आयोजित करवाएं और स्कूल स्तर पर गठित समितियों के कामकाज की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करें। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड को भी पक्षकार बनाया है। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को होगी।

जिलाधिकारियों को सौंपी समिति गठन की जिम्मेदारी, एक माह में मांगी रिपोर्ट

न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने गोमती रिवर बैंक रेजिडेंट्स की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को उत्तर प्रदेश मोटर वाहन नियमों की धारा 222जी के तहत 'विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति' का विधिवत गठन अनिवार्य रूप से कराने का जिम्मा सौंपा है। कोर्ट ने आदेश दिया कि मुख्य सचिव प्रमाणित प्रति मिलने के एक सप्ताह के भीतर सभी जिलों को यह निर्देश जारी करें। इसके साथ ही सभी जिला मजिस्ट्रेटों को तय नियमों के अनुपालन पर एक महीने के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट अदालत में पेश करनी होगी।

बिना परमिट नहीं दौड़ेंगे स्कूली वाहन, परिवहन आयुक्त ने रखा ब्योरा

याचिका पर सुनवाई के दौरान परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन और डीसीपी ट्रैफिक रवीना त्यागी अदालत में पेश हुए। परिवहन आयुक्त ने उत्तर प्रदेश मोटर वाहन (छब्बीसवां संशोधन) नियम, 2019 के प्रावधानों का ब्योरा अदालत के सामने रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियम 222ए के तहत स्कूली बच्चों को ले जाने वाले सभी वाहनों के लिए विशेष परमिट अनिवार्य है, जिसके तहत शिक्षण संस्थानों की अपनी बसों और अनुबंधित निजी वाहनों के लिए अलग-अलग कड़े सुरक्षा मानक तय किए गए हैं।

निष्क्रिय समितियों पर जताई चिंता, 28 सितंबर को अगली सुनवाई

अदालत में यह बात भी सामने आई कि नियम 222ई के तहत जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली समिति को निगरानी का दायित्व सौंपा गया है, लेकिन धरातल पर नियम 222जी के अंतर्गत गठित समितियां वर्तमान में सक्रिय रूप से काम नहीं कर रही हैं। जमीनी स्तर पर सुरक्षा तंत्र के निष्क्रिय होने पर चिंता जताते हुए हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि बच्चों की जिंदगी के साथ किसी भी सूरत में खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रेमी जोड़े को सुनसान इलाके में घेरा, जान बचाने को भागती रही युवती; खुलेआम बदसलूकी करने वाले 3 दरिंदे गिरफ्तार

जमुई,(आरएनएस)। बिहार के जमुई जिले में प्रेमी जोड़े को घेरकर युवती के साथ खुलेआम बदसलूकी और छेड़छाड़ करने के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सोशल मीडिया पर घटना का खौफनाक वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जमुई पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर 3 आरोपियों को धर दबोचा है। जमुई के जिलाधिकारी (DM) नवीन ने तीनों मनचलों की गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। बाकी फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की विशेष टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

सुनसान इलाके में घेरा, जान बचाने को भागती रही युवती

यह शर्मनाक वारदात जमुई के टाउन थाना क्षेत्र अंतर्गत मड़वा राजपुरा इलाके में घटी। वहां घूमने गए एक प्रेमी जोड़े को 7 बेखौफ मनचलों ने चारों तरफ से घेर लिया। पीड़िता और उसका साथी खुद को बचाने के लिए काफी देर तक इधर-उधर भागते रहे और रहम की भीख मांगते रहे। इसके बावजूद आरोपियों ने उनका पीछा नहीं छोड़ा और युवती के साथ जबरन धक्का-मुक्की और अश्लील हरकतें कीं। हैवानियत की हद तब पार हो गई जब दरिंदों ने इस घिनौनी करतूत का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद पूरे इलाके में भारी जन-आक्रोश भड़क उठा।

पीड़िता के बयान पर दर्ज हुई प्राथमिकी, फॉरेंसिक जांच से खुले राज

वीडियो वायरल होते ही जमुई के पुलिस अधीक्षक (SP) विश्वजीत दयाल ने कड़ा संज्ञान लिया और तत्काल पुलिस टीम को पीड़िता के पास भेजा। पुलिस ने पीड़िता से संपर्क साधकर उसका विस्तृत बयान दर्ज किया और टाउन थाने में नामजद व अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज की।

रूस से तेल खरीद पर भारत के समर्थन में उतरे जेपी मॉर्गन के CEO, अमेरिका को दी सख्त चेतावनी

मुंबई (ए.)। रूस से रियायती दरों पर कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर बन रहे पश्चिमी दबाव के बीच वैश्विक बैंकिंग दिग्गज जेपी मॉर्गन चेज (JPMorgan Chase) के चेयरमैन व सीईओ जेमी डिमॉन ने भारत का खुला समर्थन किया है। डिमॉन ने अमेरिका को दो टूक नसीहत देते हुए कहा है कि नई दिल्ली के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक या सख्त कार्रवाई करने से पहले वॉशिंगटन को उसके वैश्विक परिणामों को गंभीरता से समझना चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि बिना सोचे-समझे उठाए गए कदमों से न केवल भारत की अर्थव्यवस्था बल्कि पूरी दुनिया का ऊर्जा बाजार बुरी तरह चरमरा सकता है।

'भारतीय रिफाइनरियों की जरूरतों को समझे वॉशिंगटन'

मुंबई में आयोजित 'जेपी मॉर्गन इंडिया इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस' के दौरान सीएनबीसी-टीवी18 से बातचीत करते हुए जेमी डिमॉन ने कहा कि अमेरिकी नीति निर्माताओं को जमीनी हकीकत का आकलन करना होगा। उन्होंने कहा, "वॉशिंगटन को पहले यह समझना चाहिए कि भारतीय रिफाइनरियां रूस से मिलने वाले कच्चे तेल का किस प्रकार उपयोग करती हैं।" डिमॉन ने तकनीकी पहलू समझाते हुए बताया कि रूस से आयातित तेल का बड़ा हिस्सा भारतीय

घरेलू जरूरतों के लिए रिफाइन होता है और कुछ तेल रिफाइनरियों के विशेष कॉन्फ़िगरेशन के हिसाब से खरीदा जाता है। अगर भारत रूसी तेल की खरीद बंद करता है, तो उसे अन्य स्रोतों पर निर्भर होना पड़ेगा, जो संभवत: भारतीय संयंत्रों के तकनीकी ढांचे के अनुकूल न हो।

100% टैरिफ वाले नए अमेरिकी कानून के बीच आया बयान

जेमी डिमॉन की यह टिप्पणी ऐसे नाजुक मोड़ पर आई है जब अमेरिकी कांग्रेस ने रूस पर कड़े प्रतिबंधों से संबंधित नया कानून पारित किया है। इस कानून के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उन देशों के सामानों पर 100 फीसदी तक का भारी टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है जो रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखे हुए हैं। डिमॉन ने कहा कि अमेरिका को यूक्रेन का समर्थन करने का पूरा हक है और रूस पर दबाव बनाने के उपाय करने चाहिए, लेकिन ऐसा करते समय यह ध्यान रखना अनिवार्य है कि इसका असर दुनिया भर के तेल बाजारों पर प्रतिकूल न पड़े।

भारत का स्पष्ट रुख- ऊर्जा सुरक्षा और हितों से कोई समझौता नहीं

गौरतलब है कि यूक्रेन संघर्ष के बाद से ही भारत पर अमेरिका और यूरोपीय संघ (EU) की ओर से रूसी तेल खरीद घटाने का भारी दबाव रहा है। हालांकि, भारत ने हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन आपत्तियों को सिरे से खारिज किया है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक होने के नाते भारत ने दो टूक कहा है कि उसकी पहली प्राथमिकता 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अमेरिकी प्रतिबंधों वाले नए कानून पर भी भारतीय विदेश मंत्रालय स्पष्ट कर चुका है कि किसी तीसरे देश द्वारा व्यापार पर पाबंदी लगाने की कोशिश द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित कर सकती है और भारत अपने राष्ट्रीय व आर्थिक हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।

अमेरिकी मीडिया का राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ कड़ा कदम, रोकी कार्यक्रमों की सामूहिक कवरेज

वॉशिंगटन(ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से सीएनएन, एमएस नाउ और पोलिटिको के व्हाइट हाउस प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद अमेरिका के प्रमुख टेलीविजन नेटवर्कों ने संयुक्त रूप से राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की साझा वीडियो कवरेज रोक दी है। सोमवार, 21 सितंबर को फॉक्स न्यूज, एबीसी न्यूज, सीबीएस न्यूज, सीएनएन और एनबीसी न्यूज ने राष्ट्रपति के लिए संचालित टेलीविजन प्रेस पूल को अस्थायी रूप से निलंबित करने का फैसला किया।

अमेरिकी मीडिया में राष्ट्रपति के सार्वजनिक कार्यक्रमों की टेलीविजन कवरेज के लिए इन पांच प्रमुख नेटवर्कों की बारी-बारी से जिम्मेदारी तय होती है। जिस नेटवर्क की बारी होती है, वह राष्ट्रपति के कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग करता है और उसकी तस्वीरें व वीडियो अन्य समाचार संस्थानों को उपलब्ध कराता है। इस व्यवस्था को साझा प्रेस पूल कहा जाता है। सोमवार को यह जिम्मेदारी सीएनएन की थी, लेकिन व्हाइट हाउस द्वारा उसके पत्रकारों का प्रवेश प्रतिबंधित किए जाने के बाद सीएनएन यह काम नहीं कर सका। इसके बाद अन्य नेटवर्कों ने भी उसकी जगह लेने से इनकार कर दिया और पूरी साझा व्यवस्था रोक दी।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को सीएनएन, एमएस नाउ और पोलिटिको को व्हाइट हाउस से प्रतिबंधित करने की घोषणा की। ट्रंप ने इन संस्थानों पर उनके और उनके प्रशासन के बारे में कथित रूप से झूठी खबरें प्रकाशित करने का आरोप लगाया। अगले दिन तीनों संस्थानों के पत्रकारों को व्हाइट हाउस परिसर में प्रवेश से रोक दिया गया और उनके प्रेस पास निष्क्रिय कर दिए गए।

तीनों समाचार संस्थानों ने सोमवार को वाशिंगटन स्थित संघीय अदालत में राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया।

वजन घटाने वाली दवाओं पर अमेरिका में मुकदमा, दुर्लभ आंखों की बीमारी का खतरा बढ़ने का दावा

वाशिंगटन, (ए.)। अमेरिका में वजन कम करने वाली लोकप्रिय दवाओं ओजेम्पिक, वेगोवी और मौंजारो को लेकर कानूनी विवाद सामने आया है। इन दवाओं का निर्माण करने वाली कंपनियों के खिलाफ दर्जनों लोगों ने मुकदमे दायर किए हैं। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि इन दवाओं के सेवन से आंखों की एक दुर्लभ बीमारी का खतरा हो सकता है, लेकिन दवा कंपनियों ने इसके संभावित जोखिम के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं दी। हालांकि, संबंधित कंपनियों ने आरोपों का विरोध करते हुए मामलों को बेबुनियाद बताया है।

मामले में जिस बीमारी का उल्लेख किया गया है, उसका नाम गैर-धमनीजन्य अग्र नेत्रीय इस्कीमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एनएआईओएन) है। यह आंख की दृष्टि तंत्रिका तक रक्त की आपूर्ति कम होने से होने वाली समस्या है। इसके कारण अचानक नजर कमजोर हो सकती है। चिकित्सकों के अनुसार, यह बीमारी आमतौर पर बिना दर्द के होती है और कुछ मामलों में दृष्टि की क्षति स्थायी भी हो सकती है।एनएआईओएन को दुर्लभ बीमारी माना जाता है और फिलहाल इसका कोई विशेष उपचार उपलब्ध नहीं है। मधुमेह से पीड़ित लोगों में इस समस्या का खतरा अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। बीमारी की स्थिति में अचानक एक आंख की दृष्टि प्रभावित हो सकती है, इसलिए ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी जाती है।वजन घटाने और मधुमेह के उपचार में इस्तेमाल होने वाली जीएलपी-1 दवाओं और एनएआईओएन के बीच संभावित संबंध को लेकर वर्ष 2024 से शोध किए जा रहे हैं। हालांकि, अब तक सामने आए विभिन्न अध्ययनों के परिणाम एक जैसे नहीं रहे हैं। कुछ अध्ययनों में इन दवाओं के सेवन और एनएआईओएन के बीच संभावित संबंध के संकेत मिले हैं, जबकि कुछ अन्य शोध में ऐसा कोई स्पष्ट संबंध नहीं पाया गया। इसी वजह से वैज्ञानिक फिलहाल यह निष्कर्ष नहीं निकाल सकते कि जीएलपी-1 दवाओं के कारण एनएआईओएन होता है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) भी इस संभावित सुरक्षा संकेत की समीक्षा कर रहा है।

पाकिस्तान के पेशावर में खैबर पख्तूनख्वा के स्वास्थ्य इंजीनियरिंग मंत्री का हथियारबंद लोगों ने अपहरण किया

पेशावर,(ए.)। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में सोमवार को प्रांतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री फजल शकूर खान को हथियारबंद नकाबपोश लोगों द्वारा कथित तौर पर अगवा किए जाने का मामला सामने आया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेताओं और मंत्री के कर्मचारियों के अनुसार, घटना दिनदहाड़े पेशावर मोटरवे के निकास के पास हुई, जहां हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी को रोककर उन्हें अज्ञात स्थान पर ले गए।

घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सादे कपड़ों में हथियार लिए कुछ लोग सड़क पर एक वाहन को रोकते दिखाई दे रहे हैं। पीटीआई नेताओं का दावा है कि नकाबपोश लोगों ने मंत्री के वाहन को पहले घेर लिया और उसके बाद उसे जबरन रोका। सामने आई जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने कथित तौर पर कलाश्निकोव राइफलों से वाहन के टायरों पर गोलियां चलाईं, जिससे टायर फट गए और वाहन की खिड़कियां भी क्षतिग्रस्त हुईं।

मंत्री के कर्मचारियों और पीटीआई नेताओं ने आरोप लगाया है कि फजल शकूर खान को वाहन से उतारकर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। हालांकि, शुरुआती रिपोर्टों में यह स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं थी कि उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया है या उनका अपहरण किया गया है। बाद में खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में इस मामले को लेकर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई और विधानसभा ने मंत्री की कथित गिरफ्तारी को अपहरण बताया।

खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के अध्यक्ष बाबर सलीम स्वाती ने मामले पर चिंता जताते हुए कहा कि कानून के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए और किसी भी गैरकानूनी आदेश का पालन नहीं किया जाना चाहिए। विधानसभा में मंत्री की गिरफ्तारी से संबंधित वीडियो भी दिखाया गया। कानून मंत्री आफताब आलम ने भी घटना को गंभीर बताते हुए पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए और कहा कि यदि ऐसी घटनाएं जारी रहीं तो पुलिस के अधिकारों में कटौती पर विचार किया जा सकता है।

मंत्री के कथित अपहरण की खबर फैलने के बाद मलाकंद में पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों में आक्रोश फैल गया। प्रदर्शनकारियों ने राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और जगह-जगह टायर जलाकर नारेबाजी की।

मनोरंजन

डीप नेक चोली और रेड लहंगा, बोल्ड ट्रेडिशनल लुक से दिशा पाटनी ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

बॉलीवुड की सबसे फिट और स्टनिंग अभिनेत्रियों में शुमार दिशा पाटनी एक बार फिर अपने नए और दिलकश अंदाज से सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली दिशा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर पारंपरिक रेड लहंगे में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस की धड़कनें तेज हो गई हैं।

वेस्टर्न आउटफिट्स में तहलका मचाने के बाद, दिशा का यह देसी लेकिन बेहद ग्लैमरस अवतार इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। दिशा ने रॉयल रेड कलर का भारी कढ़ाई वाला लहंगे का सेट पहना है। इस पारंपरिक एथनिक आउटफिट पर बारीक सुनहरे और रेशमी धागों की डिटेलिंग, फ्लोरल मोटिफ्स और बॉर्डर पर खूबसूरत गोटा-पट्टी या एम्बेलिशमेंट वर्क नजर आ रहा है।

आउटफिट का सबसे मुख्य आकर्षण उनकी डीप-कट नेकलाइन वाली स्लीवलेस क्रॉप चोली है। यह चोली उनके स्लीक बॉडी कर्व्स और टोंड फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रही है।

इसके साथ दिशा ने मैचिंग रेड नेट का दुपट्टा कैरी किया है, जिस पर लाइट सीक्वेंस और कट-वर्क बॉर्डर बना हुआ है। इस क्लासिक और बोल्ड लहंगे का चुनाव उन्हें एक आधुनिक राजकुमारी जैसा लुक दे रहा है।तस्वीरों में दिशा पाटनी का आत्मविश्वास और उनका कातिलाना पोज देने का अंदाज साफ झलक रहा है। अलग-अलग एंगल्स में कराए गए इस फोटोशूट में दिशा ने कभी कैमरे की ओर देखते हुए नशीली निगाहों से पोज दिया है, तो कभी नीचे झुककर अपने हेयरस्ट्रैंड्स को संभालते हुए एक सिड्यूक्टिव लुक दिया है।अपने इस पारंपरिक लुक को दिशा ने बहुत ही बैलेंस्ड मेकअप और हेयरस्टाइल के साथ पूरा किया है। उन्होंने अपने लंबे, घने और डार्क बालों को पूरी तरह से खुला रखा है। बालों में हल्की सी मेसी और नेचुरल वेव्स उनके चेहरे पर गिरती हुई बेहद खूबसूरत लग रही हैं।मेकअप की बात करें तो दिशा ने मैट-फिनिश बेस के साथ स्मोकी आइज, परफेक्टली शेप्ड आईब्रोज और प्लम/न्यूड-शेड लिपस्टिक का चुनाव किया है। गालों पर लगा हल्का सा ब्लश उनके चेहरे की प्राकृतिक चमक को बढ़ा रहा है।अपने इस बोल्ड एथनिक लुक में विंटेज टच देने के लिए दिशा ने हेवी स्टेटमेंट इयररिंग्स चुने हैं। हाथों में बारीक डिजाइन वाले कुंदन और पन्ने जड़े कड़े तथा उंगलियों में बड़ी सी कॉकटेल रिंग उनके हाथों की शोभा बढ़ा रही है।दिशा पाटनी का यह नया फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वे न केवल मॉडर्न और बिकिनी लुक्स में परफेक्ट दिखती हैं, बल्कि जब बात एथनिक या इंडियन वियर की आती है, तो भी वे अपने स्टाइल और बोल्डनेस के अनोखे मेल से हर किसी को अपना दीवाना बना सकती हैं।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है सुप्त विरासन, कमर दर्द और थकान से मिलेगा आराम, मन होगा शांत

योग में कुछ आसन ऐसे होते हैं, जो शारीरिक मुद्रा (पोश्चर) को सुधारने के साथ-साथ मन को भी गहरी शांति प्रदान करते हैं। सुप्त वीरासन उन्हीं विशेष आसनों में से एक है। नियमित रूप से इस आसन का अभ्यास करने से रीढ़ की हड्डी और कूल्हों का लचीलापन बढ़ता है, साथ ही जांघों की मांसपेशियों में खिंचाव (स्ट्रैच) भी आता है। सुप्त विरासन दो शब्दों से मिलकर बना है - सुप्त का अर्थ है लेटा या सोया हुआ और विरासन का अर्थ है वीर या योद्धा की मुद्रा में बैठना। इस आसन में विरासन में बैठकर पीछे की ओर लेटा जाता है, जिससे शरीर को एक गहरा स्ट्रेच और पूर्ण विश्राम का अनुभव होता है। यह न सिर्फ पाचन तंत्र को मजबूत करता है, बल्कि थके हुए पैरों को आराम, कमर दर्द से राहत और मन को गहरी शांति प्रदान करता है।

आयुष मंत्रालय ने सुप्त वीरासन को महत्वपूर्ण योगासन बताया है, जिसे सामान्य बोलचाल या कुछ क्षेत्रीय ग्रंथावलियों में सुप्त वज्रासन से मिलता-जुलता या इसका ही एक रूप माना जाता है। यह आसन शरीर को नई ऊर्जा और मानसिक शांति प्रदान करने के लिए एक बेहतरीन पुनर्स्थापनात्मक अभ्यास है।

यह पेट की मांसपेशियों को भी स्ट्रेच करता है, जिससे पाचन शक्ति दुरुस्त होती है और कब्ज आदि में राहत मिलती है। साथ ही, यह छाती व हृदय केंद्र (अनाहत चक्र) को खोलता है, जिससे गहरी सांस लेने में मदद मिलती है और मानसिक तनाव व अवसाद कम होता है। लंबे समय तक खड़े रहने या पैदल चलने/साइकिल चलाने के बाद पैरों की थकान को तुरंत दूर करने में यह बेहद प्रभावी है।

इस योगासन को करने का सबसे अच्छा समय दोपहर के भोजन या रात के खाने के 15-20 मिनट बाद है। यह पाचन क्रिया को सुचारू बनाने में भी सहायक होता है। अगर आप इसे करने में सहज महसूस करते हैं, तो इसे अवश्य करें।

यदि कोई व्यक्ति घुटनों, टखनों या पीठ के निचले हिस्से (कमर) में गंभीर दर्द या चोट से ग्रसित है, तो वह इस आसन को करने से बचें। वहीं, गर्भवती महिलाओं को इस आसन को करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

जिम के तौलिए को ताजा रखने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

जिम में पसीना पोछने के लिए तौलिए का इस्तेमाल करना रोजमर्रा की आदत बन जाती है, लेकिन अगर तौलिया साफ और ताजा न हो तो यह न केवल बदबू फैलाता है,

बल्कि त्वचा पर भी असर डाल सकता है। इसलिए जिम के तौलिए को साफ और ताजा रखना बहुत जरूरी है। आइए कुछ ऐसे आसान तरीके जानते हैं, जिनके जरिए आप अपने जिम के तौलिए को हमेशा साफ-सुथरा और खुशबूदार रख सकते हैं।

गीले तौलिए को तुरंत धोएं

जिम से लौटने के बाद गीले तौलिए को तुरंत धोना सबसे जरूरी होता है। अगर गीले तौलिए को धोए बिना छोड़ दिया जाए तो उसमें कीटाणु और गंध पैदा होने लगती है।हल्के गर्म पानी में थोड़ा साबुन डालकर तौलिए को अच्छी तरह धोएं। धोने के बाद इसे धूप में सुखाएं ताकि यह पूरी तरह से सूख जाए। धूप में सूखने से तौलिए में किसी भी तरह के कीटाणु खत्म हो जाते हैं।

नियमित सफाई करें

जिम के तौलिए को हफ्ते में कम से कम एक बार अच्छी तरह से धोना चाहिए। यह आदत तौलिए को साफ और पसीने की गंध से दूर रखती है।धोने के लिए हल्के साबुन का इस्तेमाल करें और ज्यादा रगडने से बचें ताकि तौलिए का कपड़ा खराब न हो।धोने के बाद इसे हमेशा खुली और हवादार जगह पर सुखाएं। इस आदत से आपका तौलिया साफ और लंबे समय तक इस्तेमाल के लायक बना रहेगा।

तौलिए को अलग रखें

जिम के तौलिए को अन्य सामानों से अलग रखना बहुत जरूरी है। अगर तौलिए को गंदे कपड़ों या जूतों के साथ रखा जाए तो उसमें बदबू और कीटाणु फैलने का खतरा बढ़ जाता है। तौलिए क ो हमेशा अलग पॉलीथिन या कपड़े के थैले में रखें। इसके अलावा कभी भी गीले तौलिए को बैग में न रखें क्योंकि इससे नमी बढ़ती है और कीटाणु जल्दी पनपते हैं। इस आदत से तौलिए को लंबे समय तक ताजा रखा जा सकता है।

हवा लगने दें

जिम से लौटने के बाद तौलिए क ो तुरंत खुली हवा में लटका दें। इससे तौलिए में मौजूद नमी जल्दी सूख जाती है और उसमें कीटाणु पनपने का खतरा कम होता है।अगर धूप उपलब्ध हो तो तौलिए को धूप में सुखाएं। धूप के संपर्क में आने से तौलिए की गंध दूर होती है और यह ताजा महसूस होता है। ध्यान रखें कि तौलिए को कभी भी गीला या नमी भरा न छोड़ें।

खुशबू बनाए रखें

तौलिए में ताजगी बनाए रखने के लिए आप घर पर ही तैयार किए गए स्प्रे का इस्तेमाल कर सकते हैं।पानी में थोड़ा नींबू का रस या गुलाबजल मिलाकर इसे तौलिए पर हल्के से छिड़कें। इससे न केवल तौलिए में ताजगी बनी रहती है,

बल्कि यह गंध को भी दूर करता है।यह तरीका खासकर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो अपने तौलिए को लंबे समय तक ताजा रखना चाहते हैं।

आयुष्मान कार्ड बना मालती बंजारे के लिए इलाज का सहारा

नि:शुल्क बच्चेदानी के ऑपरेशन से मिली वर्षों पुरानी स्वास्थ्य समस्या से राहत

रायपुर, (ए.)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम मुच्छमल्दा निवासी 53 वर्षीय मालती बंजारे लंबे समय से बच्चेदानी संबंधी स्वास्थ्य समस्या से परेशान थीं। बीमारी के कारण उन्हें रोजमर्रा के कामों में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्चेदानी के ऑपरेशन (हिस्टेरेक्टॉमी) की सलाह दी। परिवार के सामने इलाज के खर्च को लेकर चिंता थी, लेकिन मालती बंजारे के पास आयुष्मान कार्ड होने से उपचार का रास्ता आसान हो गया। आयुष्मान भारत योजना के तहत उन्हें नि:शुल्क उपचार की सुविधा मिली और आवश्यक जांच के बाद बच्चेदानी का सफल ऑपरेशन किया गया। योजना के अंतर्गत उपचार मिलने से परिवार को इलाज के खर्च का आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ा। ऑपरेशन के बाद मालती की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार हुआ। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की निगरानी में आवश्यक उपचार एवं परामर्श के बाद उन्हें स्वस्थ अवस्था में घर भेज दिया गया। मालती और उनके परिजनों ने आयुष्मान भारत योजना के प्रति आभार जताते हुए कहा कि आयुष्मान कार्ड के कारण समय पर आवश्यक उपचार मिल सका और इलाज के खर्च की चिंता से भी राहत मिली।प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान के दौरान जरूरतमंद लोगों तक बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की प्रतिबद्धता के साथ शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गंभीर और आवश्यक उपचार की सुविधा मिल रही है। स्वास्थ्य विभाग ने पात्र परिवारों से आयुष्मान कार्ड बनवाने और उपलब्ध स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है।

प्रधानमंत्री आवास से मिला सपनों का घर, कच्चे मकान से पक्के आशियाने में पहुंचा परिवार

रायपुर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 ने जरूरतमंद परिवारों के पक्के मकान के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजना का लाभ बेमेतरा जिले के देवकर नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक-11 के सुखदेव साहू को मिला है। कभी छप्परयुक्त मिट्टी के कच्चे मकान में रहने वाले सुखदेव साहू का परिवार अब सुविधायुक्त पक्के मकान में सुरक्षित और बेहतर जीवन व्यतीत कर रहा है।सुखदेव साहू कृषि कार्य से जुड़े हैं। आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे स्वयं पक्का मकान बनवा सकें। इसी दौरान नगर पंचायत देवकर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में मुनादी के माध्यम से लोगों को जानकारी दी गई। योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर आवास के लिए आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी ली और सभी जरूरी दस्तावेज जमा किए। इसके बाद करीब 2 से 4 माह में उनका आवास स्वीकृत हुआ।

आवास स्वीकृत होने के बाद साहू ने मकान निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। योजना के तहत निर्माण की प्रगति और निर्धारित स्तर के अनुसार उन्हें किस्तों में राशि का भुगतान किया गया। आर्थिक सहायता मिलने से आवास निर्माण का कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सका। अब उनका मकान पूर्ण हो चुका है और उनका परिवार सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त पक्के मकान में निवास कर रहा है।

छत्तीसगढ़ में स्कूलों की छुट्टियों का ऐलान, दशहरा-दीपावली और शीतकालीन अवकाश में मिलेंगी 15 दिन की छुट्टियां

रायपुर, (आरएनएस) छत्तीसगढ़ के स्कूलों में आगामी त्योहारों और शीतकालीन अवकाश को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने छुट्टियों का शेड्यूल जारी कर दिया है। विभाग के आदेश के अनुसार, दशहरा, दीपावली और शीतकालीन अवकाश के तहत विद्यार्थियों और शिक्षकों को कुल 15 दिनों का अवकाश मिलेगा।

दशहरा अवकाश: 17 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2026 तक — 5 दिन
दीपावली अवकाश: 6 नवंबर से 10 नवंबर 2026 तक — 5 दिन
शीतकालीन अवकाश: 24 दिसंबर से 28 दिसंबर 2026 तक — 5 दिन

स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक तीनों अवसरों पर पांच-पांच दिन की छुट्टी निर्धारित की गई है। इस तरह शैक्षणिक सत्र के दौरान इन तीन अवकाशों को मिलाकर कुल 15 दिन स्कूल बंद रहेंगे।

खाद्य विभाग द्वारा नैमेड़ के किराना दुकानों में दबिश, लिए गए नमूने के रिपोर्ट आने के बाद हो सकेगी कार्यवाही

रायपुर, (आरएनएस)। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार तथा अभिहीत अधिकारी डी के देवांगन के मार्गदर्शन में जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंकित गुप्ता द्वारा नैमेड़ के किराना दुकानों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को अपने खाद्य परिसर में खाद्य सामाग्रियों को व्यवस्थित ढंग से रखने एवं दुकान के अंदर व बाहर साफ-सफाई रखने हेतु निर्देशित किया गया। खाद्य अनुज्ञप्ति को दुकान में चस्पा कर प्रदर्शित करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही खाद्य सामाग्रियों के जांच हेतु नमूने लिये गए। मेसर्स बजरंग किराना स्टोर्स से सेंधा नमक, चाय पत्ती, जीरा, राईस ब्रॉन तेल और टोस्ट का नमूना लिया गया तथा राम किराना स्टोर्स से निरमा शूद्ध नमक, सोन पापड़ी और फरसान आटा का नमूना लिया गया। सभी खाद्य नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेज दिया गया है। जांच रिपोर्ट आने पर आगे की कार्यवाही की जावेगी।

नकली लेबल-होलोग्राम से शराब पैकिंग का नेटवर्क पकड़ा, छह और गिरफ्तार

राजनांदगांव, (आरएनएस)। अवैध शराब के कारोबार और नकली लेबल-होलोग्राम के जरिए शराब की पैकेजिंग करने वाले नेटवर्क के खिलाफ राजनांदगांव पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपराध क्रमांक 537/2026 की विवेचना में पुलिस ने 62 नग अवैध शराब, कुल 11.160 लीटर, नकली लेबल, होलोग्राम स्टीकर, ढक्कन, मोबाइल फोन और दो वाहनों समेत करीब 1.50 लाख रुपए की सामग्री जब्त की है। इस प्रकरण में अब तक 12 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।पुलिस के अनुसार 21 सितंबर को गिरफ्तार आरोपियों में मोहारा निवासी कुमार वर्मा, दिनेश्वरी वर्मा, पूरन वर्मा, राजेश्वर वर्मा, डोंगरगढ़ निवासी ओमप्रकाश साहू और मुढ़िया निवासी गौतम बाई शामिल हैं। कुमार वर्मा के कब्जे से ग्रैंड आई10 कार और 21 नग रॉयल गोआ व्हिस्की जब्त की गई। पूरन वर्मा से अधजला होलोग्राम स्टीकर, जम्मू शराब का लेबल और मोबाइल बरामद हुआ। राजेश्वर वर्मा के पास से 15 होलोग्राम स्टीकर, शराब का लेबल और पांच ढक्कन मिले। ओमप्रकाश साहू से रॉयल गोआ और सुपर छत्तीसगढ़ शराब की 21 बोतल, मोबाइल और बिना नंबर की एक्टिवा स्कूटी जब्त की गई। वहीं गौतम बाई के पास से 20 नग रॉयल गोआ स्ट्रीट व्हिस्की मिली, जिन पर उत्तराखंड का लेबल लगा था।

कलेक्टर-एसपी ने बस्तर दशहरा के प्रमुख स्थलों की व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

जगदलपुर, (आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन सभी आवश्यक व्यवस्था एवं तैयारियों को सुनिश्चित कर रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने संयुक्त रूप से बस्तर दशहरा पर्व से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सिरहासार, काछनगुड़ी, जिया डेरा, माड़िया सराय, निशा जात्रा गुड़ी और दशरा पसरा पहुंचकर वहां की मौजूदा स्थिति, साफ-सफाई, सुरक्षा, यातायात तथा श्रद्धालुओं व रस्म अदायगी से जुड़े लोगों के ठहरने की सुविधाओं का गहन मुआयना किया। अधिकारियों ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ तय समय-सीमा के पूर्व सभी कार्यों एवं व्यवस्थाओं को पूर्ण करने के निर्देश दिए।इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, सहायक कलेक्टर यशवंत नायक, अनुविभागीय दंडाधिकारी मनीष वर्मा सहित राजस्व, लोक निर्माण तथा अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी साथ रहे, जिन्होंने व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किए।

अज्ञात व्यक्ति द्वारा इंस्टाग्राम के माध्यम से डॉक्टर पर आपत्तिजनक टिप्पणी, पुलिस से की शिकायत

कोरबा (आरएनएस)। शिवाय अस्पताल में ऑर्थोपेडिक सर्जन के रूप में कार्यरत डॉ. संतोष राठौड ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफसोशल मीडिया पर उनकी फोटो का दुरुपयोग कर आपत्तिजनक एवं मानहानिकारक टिप्पणियां प्रसारित करने की शिकायत साइबर पुलिस थाना कोरबा में दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार, 11 अगस्त 2026 से अलग-अलग नामों से संचालित कई इंस्टाग्राम आईडी के माध्यम से डॉ. राठौड की फोटो पोस्ट की जा रही है। इसके अलावा उनके नाम और फोटो का उपयोग कर फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट भी बनाए जाने का आरोप है। इन अकाउंट्स से डॉक्टर के संबंध में आपत्तिजनक, अशोभनीय और गंभीर आरोप वाली टिप्पणियां पोस्ट कर उन्हें परिचितों एवं अन्य लोगों तक शेयर किए जाने की बात शिकायत में कही गई है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कबड्डी प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

रायपुर, (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज चांपा के सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को आगामी अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में चार प्रांतों से आए कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के 300 से अधिक भैया-बहनों ने अलग-अलग वर्गों में खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन के साथ खेल भावना और टीमवर्क का परिचय दिया।

अरुण साव ने कहा कि विद्या भारती विद्यार्थियों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाने के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। यहां शिक्षा प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं। संगठन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि, खेल का मैदान हमें सम्मान और बेहतर भविष्य की ओर बढ़ने का अवसर देता है। खेल के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ी देश-दुनिया में पहचान बना रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत अरपा उद्गम स्थल पर नदी घाट स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश

रायपुर (आरएनएस)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं नगरीय प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा में अरपा उद्गम स्थल के समीप नदी घाट स्वच्छता अभियान एवं नगरीय जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण एवं जल संवर्धन के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना तथा नागरिकों को जल स्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना रहा।

अरपा नदी छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण नदियों में शामिल है और इसका उद्गम क्षेत्र गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय पहचान से जुड़ा हुआ है। अरपा उद्गम स्थल के समीप आयोजित स्वच्छता अभियान के माध्यम से जल स्रोतों की स्वच्छता को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता करते हुए नदी घाट और आसपास के क्षेत्र की स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम में मरवाही विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रणव कुमार मरपची, जिला पंचायत अध्यक्ष सु समीरा पैंकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर, नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के उपाध्यक्ष शरद गुप्ता, लालजी यादव, राकेश चतुर्वेदी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वच्छ जल स्रोत स्वस्थ समाज का आधार

कार्यक्रम के दौरान जल स्रोतों को स्वच्छ और सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर दिया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि नदी, तालाब और अन्य जल स्रोत केवल पानी के स्रोत नहीं हैं, बल्कि पर्यावरण, जैव विविधता और मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण आधार हैं।

खेल समाचार

एकलव्य तीरंदाजी अकादमी ने खिलाड़ियों ने तीरंदाजी के जिला स्तरीय ट्रायल में जीते मेडल

फतेहाबाद (आरएनएस)। जिला तीरंदाजी संघ फतेहाबाद द्वारा जिला स्तरीय तीरंदाजी ट्रायल का आयोजन गांव दीवाना में किया गया। इसमें अंडर 10 वर्ग से लेकर 15 वर्ग तक के ट्रायल के साथ साथ जुनियर और सीनियर के ट्रायल भी करवाए गए। इस ट्रायल में एकलव्य तीरंदाजी अकादमी सनियाना से अंडर 15 में वर्ग विशाल ने ब्रॉन्ज मेडल, जुनियर वर्ग में रिम्पी ने ब्रॉन्ज मेडल और सीनियर वर्ग में विनती ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। कोच अमित लाम्बा ने सभी खिलाड़ियों की सफलता का श्रेय उनकी मेहनत और प्रयास को दिया।

विनोद कुमार कैरों ने सभी खिलाड़ियों और अभिभावकों को इस शानदार सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि यह गांव सनियाना और एकलव्य तीरंदाजी अकादमी के लिए गौरव का पल है। खिलाड़ियों के अभिभावक दिलबाग सिंह, नरेश कुमार कैरों और मंगल सिंह ने कोच अमित लाम्बा और बच्चों की हौंसला अफजाई की।

एशियन गेम्स : भारतीय टीम ने जापान के खिलाफ टॉस जीत चुनी बल्लेबाजी, 5-5 ओवर का होगा मैच

सानो (आरएनएस)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम और जापान की टीम के बीच मैच का लंबा इंतजार समाप्त हो गया है। बारिश की वजह से मैदान गीला होने के कारण टॉस अपने निर्धारित समय से लगभग 2 घंटे देरी से हुआ। भारत और जापान के बीच हो रहे इस पहले मैच में भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। मैच 20-20 ओवर की जगह 5-5 ओवर का निर्धारित किया गया है। सानो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ग्राउंड में हो रहे मुकाबले में टॉस जीतने के बाद भारतीय कप्तान अय्यर ने कहा, हम पहले बल्लेबाजी करना चाहते हैं। यह एक बड़ा मौका है। 75 साल की दोस्ती के अवसर पर हो रहा ये मैच रोमांचक मैच होने वाला है। हम हालात को भी देखना चाहते थे। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं एक दिन जापान आकर कप्तानी करूंगा। मुझे पता है कि यहां बेसबॉल काफी बड़ा है, लेकिन मैं यहीं खड़ा हूं। भीड़ अच्छी है, बहुत सारे समर्थक हैं। यह जरूरी है कि हम उन्हें कुछ वापस दें और घर से हमें देखने वाली भीड़ को भी। एक रोमांचक मैच का इंतजार है। उन्होंने कहा, यह जरूरी है कि हम हालात को जानें और हमें पता हो कि हमारे आस-पास क्या हो रहा है। हम जानते हैं कि असल में एशियन गेम्स में भी यही हालात होंगे। हमें नहीं पता कि वहां पिच कैसी हैं, लेकिन मैच खास है और हमारे लिए अच्छे अभ्यास वाला होगा। बस उस पल का इंतजार है।

जापान के कप्तान केंडेल कडोवाकी-फ्लेमिंग ने कहा, हम गेंदबाजी करते, ताकि भीड़ को दुनिया के कुछ श्रेष्ठ खिलाड़ियों को यहां खेलते हुए देखने का मौका मिल सके। हम बहुत उत्साहित हैं। अब यह समझ आने लगा है। हम खेलने के लिए तैयार हैं। यह खिलाड़ियों और बड़े क्रिकेट समुदाय के लिए एक शानदार मौका है। उम्मीद है कि हम कुछ अच्छा कर पाएंगे। भारत के काफी समर्थक आए हैं, लेकिन जितने ज्यादा लोग जापान में क्रिकेट देखेंगे, उतना ही अच्छा होगा। हम यहां आने वाले हर किसी के और इस गेम को मुमकिन बनाने वाले हर किसी के बहुत शुक्रगुजार हैं। यह कमाल है। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यहां सानो में आए हैं। अगर आपने कुछ साल पहले हमसे यह कहा होता तो हमें यकीन नहीं होता।

भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में वैभव सूर्यवंशी को जगह नहीं मिली है।

भारत की प्लेइंग इलेवन: संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, यश ठाकुर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह।

जापान की प्लेइंग इलेवन: लैकलन यामामोटो-लेक, रेओ सकुरानो-थॉमस, केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग (कप्तान), बेंजामिन इटो-डेविस, वातारू मियाउची, अलेक्जेंडर शिराई-पैटमोर (विकेटकीपर), चार्ली हारा-हिंजे, इब्राहिम ताकाहाशी, डेक्लान सुजुकी-मैककॉम्ब, माकोतो तानियामा, शोमा सुगाया-स्लेटर।

Asian Games में भारत को मिला पहला गोल्ड मेडल, महिला क्रिकेट टीम ने फिर मचाया धमाल

निशिन (ए.)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक जीत लिया है। फाइनल में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 147 रन से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एशियन गेम्स 2026 में भारत का यह पहला स्वर्ण पदक है।भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 10 ओवर में 99 रन की विस्फोटक साझेदारी की। वर्मा 29 गेंदों पर 3 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 48 रन बनाकर आउट हुईं।मंधाना नहीं रूकीं। बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 79 रन की पारी खेली। दूसरे विकेट के लिए उन्होंने हरमनप्रीत कौर के साथ 42 रन जोड़े। हरमन 19 रन बनाकर आउट हुईं। आखिरी ओवरों में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष 22 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की मदद से नाबाद 49 रन बनाकर स्कोर 20 ओवर में 3 विकेट पर 216 तक पहुंचाया। उनके साथ भारती फूलमाली 7 रन बनाकर नाबाद रहीं।

श्रीलंका के लिए सुगंधिका कुमारी, कविशा दिल्हारी और चामुंडी प्रबोदा 1-1 विकेट लिया।

217 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर सिमट गई। टीम के लिए कप्तानी चमारी अथापट्टू ने सर्वाधिक 29 रन बनाए। विकेटकीपर कौशिनी नुथ्यांगना ने 14 और कविशा दिल्हारी ने 11 रन बनाए।इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज 2 अंकों में प्रवेश नहीं कर सकी। भारत ने 147 रन से बड़े अंतर से मैच जीता। भारत की तरफ से दीप्ति शर्मा ने 3, शेफाली वर्मा, श्रेयांका पाटिल और श्री चरणी ने 2-2 विकेट लिए। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हर विभाग में पीछे छोड़ा और बड़ी जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। श्रीलंका को रजत पदक दिया जाएगा। इससे पहले हुए मुकाबले में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर कांस्य पदक जीता था।

एशियन गेम्स 2026 : स्मृति मंधाना के नाम बड़ी उपलब्धि, यह मुकाम हासिल करने वाली बनीं पहली महिला खिलाड़ी

निशिन (ए.)। एशियन गेम्स 2026 के फाइनल मुकाबले में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का सामना श्रीलंका से हो रहा है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर खेले जा रहे इस मुकाबले में स्मृति मंधाना ने वह मुकाम हासिल कर लिया है, जहां अब तक कोई भी महिला खिलाड़ी नहीं पहुंच सकी है। स्मृति मंधाना ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 11 हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनी हैं। श्रीलंका के खिलाफ गोल्ड मेडल के लिए खेले जा रहे मुकाबले में मंधाना ने अपना अर्धशतक पूरा करने के साथ ही यह मुकाम हासिल किया। तीनों फॉर्मेट को मिलकर इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड पहले से ही मंधाना के नाम है। उन्होंने एशिया कप 2026 के दौरान भारत की ही पूर्व कप्तान मिताली राज को इस मामले में पीछे छोड़ा था। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने एक बार फिर टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 9.6 ओवर में 99 रन जोड़े। भारतीय टीम की सलामी जोड़ी के आगे श्रीलंका का गेंदबाजी अटैक पूरी तरह से बेबस दिखाई दिया।

जहीर खान आईपीएल 2027 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच नियुक्त

चेन्नई(ए.)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने सोमवार को भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान को आगामी सीजन के लिए अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है।पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम में जहीर ने स्टीफन फ्लेमिंग की जगह ली है, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में टीम के लगातार तीसरी बार प्लेऑफ में न पहुच पाने के बाद यह पद छोड़ दिया था। इसके साथ ही फ्लेमिंग का फ्रेंचाइजी के साथ 18 साल का साथ भी खत्म हो गया।चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से जारी एक बयान में जहीर ने कहा, आईपीएल के इतिहास की सबसे सफल टीमों में से एक का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

बतौर क्रिकेटर मैंने मैदान पर सीएसके का सामना करते हुए उन मुकाबलों का भरपूर आनंद लिया है। चेपॉक में सुपरफैंस द्वारा बनाया गया माहौल इसे और भी खास बनाता है। मैं इतने शानदार इतिहास वाली इस प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हूं।अपने शानदार 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में जहीर खान ने भारत के लिए 92 टेस्ट मुकाबलों में 311 विकेट हासिल किए, जबकि 200 वनडे मुकाबलों में उन्होंने 282 विकेट चटकाए हैं। यह दिग्गज गेंदबाज भारत के लिए 17 टी20 मुकाबले खेला, जिसमें इतने ही विकेट चटकाए।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम का एशियन गेम्स 2026 में सफर समाप्त, क्वार्टर फाइनल में जापान ने हराया

इचिनोमिया सिटी (ए.)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम का सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। मंगलवार को भारतीय टीम को जापान के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने शानदार जीत दर्ज की, लेकिन सिंगल्स में भारतीय टीम को अपने तीनों ही मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले की शुरुआत भारत के लिए अच्छी नहीं रही। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु को एकतरफा मुकाबले में दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी अकाने यामागुची के खिलाफ 23-21, 18-21, 6-21 से हार का सामना करना पड़ा।

इसके बाद उन्नति हुड्डा भी 2022 की वर्ल्ड जूनियर चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 7 खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से पार नहीं पा सकीं और उन्हें 16-21, 18-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। इस जीत के साथ ही जापान ने अपनी बढ़त को 2-0 कर लिया। हालांकि, इसके बाद त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने भारतीय टीम को मैच में बनाए रखा और उन्होंने डबल्स मुकाबले में युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो को 21-17, 21-16 से हराकर भारत की उम्मीदें बनाए रखीं।

तन्वी शर्मा निर्णायक मुकाबले में उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं और उन्हें तीसरे सिंगल्स मुकाबले में पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ 12-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे जापान ने इस मुकाबले में अपनी जीत पक्की कर ली। जापान के खिलाफ मिली हार के साथ ही भारतीय महिला टीम का एशियन गेम्स 2026 में मेडल जीतने का सपना भी टूट गया है।

एशियन गेम्स में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने अब तक सिर्फ एक बार ही मेडल जीता है। साल 2014 में देश की झोली में ब्रॉन्ज मेडल आया था। पिछले एशियन गेम्स में भारतीय टीम थाईलैंड के खिलाफ 0-3 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट का आगाज कजाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर किया था।

विमान में विराजमान होकर मैया संग कन्हैया ने किया नगर भ्रमण

नर्मदा नगरी में गूंजा हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की का जयघोष

नर्मदापुरम (निप्र) । पूर्व वर्षों की परंपरानुसार नर्मदा नगरी में डोल ग्यारस का पर्व भक्ति भाव के साथ मनाया गया। भाद्रपद मास के शुक्लपक्ष की पदमा एकादशी जिसे डोल ग्यारस भी कहा जाता है। इस मौके पर शहर के करीब दो दर्जन मंदिरों से विमान निकले।

नर्मदा तट के श्री बद्रीनाथ धाम मंदिर में भगवान के श्री विग्रह का विशेष श्रृंगार किया गया। भगवान श्री बालकृष्ण ने अपनी मैया जशोदा जी के साथ विमान में बैठकर नगर भ्रमण किया। इस दौरान शहर के मुख्य मार्ग जहां से विमान निकल रहे थे उस तरफ से हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की का जय घोष हो रहा था।

शहर में मुख्य मार्ग से निकले विमान

विमान में बैठे भगवान इस दौरान घाट पूजन के बाद वापस मंदिर प्रांगण में पहुंचें। नगर के श्री बद्रीनाथ धाम मंदिर, श्री राम जानकी मंदिर, श्री रणछोड़ मंदिर, श्री कनक बिहारी मंदिर, श्री राम मंदिर राजघाट, श्री सत्यनारायण मंदिर, राम जानकी मंदिर आदमगढ़, सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों से विमान सेठानी घाट पर पूजन के बाद यथा स्थान वापस हुए।

रामजी बाबा से निकला विमान

रामजी बाबा समाधि स्थल से शाम को एक विमान गाजे बाजे के साथ निकाला गया। आकर्षक विमान में भगवान श्रीकृष्ण की लड्डू गोपाल वाली प्रतिमा को रखकर पालकी को सजाया गया। इस विमान को लेकर युवाओं में खासा उत्साह बना हुआ था। जय घोष के साथ युवाओं के द्वारा विमान को सतरस्ता और मुख्य मार्ग से होते हुए सेठानी घाट पर पहुंचे।

डोल की प्राचीन मान्यता

आचार्य पं नीरजेश त्रिपाठी ने बताया कि डोल ग्यारस के अवसर पर विमान निकालने की मान्यता है कि भगवान कृष्ण के जन्म के पश्चात माता यशोदा घाट पूजन करने जाती हैं इसी उपलक्ष में भगवान के विमान को निकाला जाता है पंडितों ने बताया कि आज ही के दिन भगवान श्री हरि विष्णु शयन काल के दौरान करवट बदलते हैं इसलिए इस एकादशी को पाश्र्व परिवर्तिनी एकादशी कहते हैं।

इसलिए मनाते हैं डोल ग्यारस

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की एकादशी को डोल ग्यारस का उत्सव मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार इस दिन कृष्ण के जन्म के अठारह दिन बाद यशोदा जी ने जल पूजन किया था। उनके सम्पूर्ण कपड़ों का प्रक्षालन किया था। उसी के अनुसरण में ये डोल ग्यारस का त्योहार मनाया जाता है। इसी कारण इस एकादशी को जल झूलनी एकादशी भी कहते हैं। इस एकादशी में चन्द्रमा अपनी ग्यारह कलाओं में उदित होता है। इस पद्मा एकादशी को व्रत रखा जाता है। किवदंती है की इस दिन विष्णु भगवान शयन करते हुए करवट बदलते हैं इस कारण से इस एकादशी को परिवर्तनी एकादशी भी कहते हैं। ऐसा माना जाता है की भगवान विष्णु हर चातुर्मास को अपना बलि को दिया हुआ वचन निभाने के लिए पाताल में निवास करते हैं।

प्रथम बार गणेश प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही कालोनी का नाम रखा श्री गणेश कॉलोनी

बच्चों और महिलाओं में बना हुआ विशेष उत्साह

नर्मदापुरम (निप्र) । इन दिनों पूरे भारत में गणेश उत्सव भक्ति भाव व धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। मां नर्मदा नगरी में भी प्रथम पूज्य भगवान गणेश जी का उत्सव श्रद्धा भाव, उत्साह उल्लास के साथ मनया जा रहा है। पंचवटी कालोनी के पास स्थित कालोनी में भी श्रीरावत निवास के समीप ही सार्वजनिक गणेश उत्सव मनाया जा रहा है। गणेश उत्सव को ध्यान में रखते हुए डोल ग्यारस पद्मा एकादशी के पावन अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार बलराम शर्मा के सुझाव व प्रस्ताव पर भगवताचार्य पं शिवांश मिश्रा के द्वारा कालोनी के नाम की उद्घघोषणा की गई जिस पर कॉलोनी के सभी निवासियों ने एक स्वर में तालियां बजाकर इस प्रस्ताव को स्वीकारोक्ति दी। और जल्द ही एक बोर्ड 'श्री गणेश कालोनी' के नाम से लगाने की सहमति हुई। इस मौके पर हेमंत रावत व सभी निवासियों ने कालोनी का नामकरण भगवान श्री गणेश जी के नाम से होने पर खुशी जाहिर की। सभी उपस्थित नागरिकों युवाओं ने कहा कि आज से इस कालोनी को श्री गणेश कॉलोनी के नाम से ही जाना जाएगा। भगवान श्री गणेश विघ्नहर्ता हैं। कालोनी के सभी विघ्न भगवान हरेंगे। इसके साथ ही यह भी तय हुआ कि हर वर्ष श्री गणेश कालोनी में भगवान श्री गणेशजी की प्रतिमा रखी जाएगी। धूमधाम के साथ उत्सव मनाया जाएगा।

प्राकृतिक रंगों से रंगोली बनाकर दिया विकसित भारत का संदेश

नर्मदापुरम (निप्र) । मंगलवार को शहीद भगत सिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिपरिया में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वाणिज्य विभाग के द्वारा प्राकृतिक सामग्री से रंगोली प्रतियोगिता जिसका विषय घर-घर से राष्ट्र तक था। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया विद्यार्थियों द्वारा प्राकृतिक सामग्री जैसे फूल, पत्तियां, मिट्टी लकड़ी का बुरादा आदि के माध्यम से संबंधित विषय पर विभिन्न तरह की रंगोलिया बनाई।प्रथम स्थान पलक पटेल बीएससी प्रथम वर्ष, द्वितीय स्थान ललिता कीर बीए प्रथम वर्ष एवं तृतीय स्थान माधुरी कुशवाहा बीकॉम प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया।

प्राचीन काल से डोल निकालने की परंपरा जारी

गुनौरा गांव के सभी लोग मिलकर करते हैं पूजन आरती

डोलरिया। नर्मदापुरम(निप्र) । प्राचीन काल से चली आ रही परंपरा के अनुसार क्षेत्र के ग्राम गुनौरा में आज भी डोल ग्यारस पर्व उत्साह व भक्ति भाव से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर पूरे गांव में एक विशेष उत्सव की तरह मनाया जाता है। भगवान श्री कृष्ण जी और श्री राधे रानी की मूर्ति को पालकी विमान में विमान में विराजमान कर उसे फूलों से सजाया जाता है। इस विमान को पूरे गांव में पूजन और आरती करने के लिए भ्रमण कराया जाता है। गुनौरा ग्राम के पुजारी दादा हरि शंकर दुबे स्वर्गवासी होने के पश्चात् भी यह सनातनी परंपरा पुजारन दादी जमुना बाई तथा उनके पुत्रों और पोत्रों द्वारा गतिमान है। विमान पालकी यात्रा गांव के खेड़ापति मंदिर पर पूर्ण हुई तत्पश्चात् सेठ यशवंत बबलू गौर द्वारा सपत्नीक पूरे गांव वासियों के साथ आरती की। विप्र की भूमिका में रमन दुबे, सरवन दुबे तथा रजनीश दुबे रहे। जब गांव में भ्रमण के लिए विमान निकलता है उसके नीचे से लोग झुककर श्रद्धापूर्वक निकलते हैं। इस अवसर पर हाथ घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की का जयघोष किया जाता है।

फिल्म हनुमान अंश के बाल कलाकार सात्विक शर्मा आज विराजेश्वर महागणपति की आरती में होंगे शामिल राज्यसभा सांसद निवास पर होगा विशेष आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र) । हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित विराजेश्वर महागणपति प्रांगण में गणेश उत्सव के अवसर पर विशेष आयोजन होने जा रहा है। फिल्म हनुमान अंश के मशहूर बाल कलाकार मास्टर सात्विक शर्मा 23 सितंबरए बुधवार को शाम 7 बजे महागणपति की आरती में शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम सांसद संवाद केंद्र राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया के निज निवास हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आयोजित किया जाएगा। बाल कलाकार के आगमन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों के अनुसार आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

विराजेश्वर महागणपति की भव्य महाआरती महाप्रसाद 56 भोग अर्पित

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगल कामना की

नर्मदापुरम (निप्र) । सांसद संवाद केंद्र कार्यालय एवं राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया के निज निवास पर विराजे विराजेश्वर महागणपति की सोमवार देर शाम भव्य महाआरती एवं महाप्रसादी का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर भगवान श्री गणेश को विधि-विधानपूर्वक महाप्रसाद 56 भोग अर्पित किए गए। आचार्य पं सोमेश परसाई के सानिध्य में श्रद्धालु भक्तों की उपस्थिति में भगवान श्री गणेश का पूजन-अर्चन एवं महाआरती संपन्न हुई। महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान गणपति से सुख शांति समृद्धि एवं सर्वकल्याण की मंगल कामना की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि गणेशोत्सव केवल धार्मिक उत्सव तक सीमित नहीं है बल्कि यह समाज को एकजुट करने तथा आपसी प्रेम भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का माध्यम भी है। उन्होंने भगवान श्री गणेश से प्रार्थना करते हुए कहा कि सभी के जीवन से विघ्न एवं संकट दूर हों और प्रत्येक परिवार में सुख.शांति एवं समृद्धि बनी रहे। कार्यक्रम में नर्मदापुरम कलेक्टर सोमेश मिश्रा पुलिस अधीक्षक साईं कृष्ण थोटा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ हिमांशु जैन परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टर राखी बडोले दूरसंचार सलाहकार समिति टीएसी सदस्य विकास नारोलिया तहसीलदार सुनील शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नपाध्यक्ष नीतू यादव ने किया बाजार क्षेत्र का निरीक्षण

वार्ड 27 एवं 2 में पानी निकासी की समस्या का समाधान कराया

नर्मदापुरम (निप्र) । नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नगर के वार्ड क्रमांक 27 एवं वार्ड 02 का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक स्थान पर पानी निकासी की समस्या आ रही थी। नागरिकों की शिकायत के तत्काल बाद स्वच्छता टीम को निर्देशित कर पानी निकासी की समस्या का समाधान कराया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुखए स्वच्छ भारत अभियान प्रभारी अनुराग तिवारीए इंजीनियर रीना गुप्ता सहित पर्यवेक्षक कमलेश तिवारी आदि उपस्थित थे। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि आगामी त्यौहार को देखते हुए नगर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जयस्तंभ चौक हलवाई चौक इतवारा बाजार सहित वार्ड क्रमांक 4, 5, 6 जहां से श्रद्धालु को मां नर्मदा के घाटों पर पहुंचते हैं उन मार्गों की साफ सफाई व्यवस्था यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। साथ ही नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारियों को त्यौहारी सीजन में नगर में व्यवस्था बनाने हेतु अर्लट रहने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

कई प्रकरणों का मौके पर किया निराकरण, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। जनसुनवाई में राजस्व, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, सीमांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, शिक्षा, रोजगार, बिजली, पानी, स्वच्छता सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का समय-सीमा निर्धारित कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान ग्राम तालकेसरी निवासी प्रदीप कुमार बामने ने सामाजिक सुरक्षा दिव्यांग पेशन को पुनः चालू कराये जाने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने सामाजिक न्याय विभाग अधिकारी को जांच कर उचित सहायता प्रदान करने के लिए निर्देशित किया।एक अन्य मामले में ग्राम रतवाड़ा निवासी किशन बरखने ने जाति प्रमाण-पत्र बनवाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन की जाँच करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने अनुविभागीय अधिकारी नर्मदापुरम को समस्या का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार मालाखेड़ी निवासी सविता बट्टी ने भूमि का पट्टा प्रदान करने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर श्री मिश्रा ने संबंधित तहसीलदार को उचित कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार आवेदिका संगीता बाई ने राशन कार्ड बनाये जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत हिमांशु जैन,अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला, एसडीएम नर्मदापुरम देवेंद्र प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

नपाध्यक्ष नीतू यादव ने किया बाजार क्षेत्र का निरीक्षण

वार्ड 27 एवं 2 में कराई पानी निकासी की समस्या का समाधान

नर्मदापुरम (निप्र) । नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा आज नगर के वार्ड क्रमांक 27 एवं वार्ड 02 का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एक स्थान पर पानी निकासी की समस्या आ रही थी। नागरिकों की शिकायत के तत्काल बाद स्वच्छता टीम को निर्देशित कर पानी निकासी की समस्या का समाधान कराया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख, स्वच्छ भारत अभियान प्रभारी अनुराग तिवारी, इंजीनियर रीना गुप्ता सहित पर्यवेक्षक कमलेश तिवारी आदि उपस्थित थे। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि आगामी त्यौहार को देखते हुए नगर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जयस्तंभ चौक, हलवाई चौक, इतवारा बाजार सहित वार्ड क्रमांक 4, 5, 6 जहां से श्रद्धालु को मां नर्मदा के घाटों पर पहुंचते हैं उन मार्गों की साफ सफाई व्यवस्था, यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। साथ ही नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारियों को त्यौहारी सीजन में नगर में व्यवस्था बनाने हेतु अर्लट रहने के निर्देश दिए।

बधिर तैराक राहुल लोवंशी ने राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में जीते 4 स्वर्ण पदक

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने पदक पहनाकर किया सम्मानित, उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बढ़ाया उत्साह

नर्मदापुरम (निप्र) । नर्मदापुरम जिले के बधिर तैराक राहुल लोवंशी ने अपनी प्रतिभा और उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले का नाम रोशन किया है। ग्वालियर बधिर सोसाइटी द्वारा 20 सितंबर 2026 को आयोजित 18वीं एम.पी. स्टेट स्विमिंग चैंपियनशिप ऑफ द डेफ में राहुल लोवंशी ने चार प्रमुख 50 मीटर तैराकी स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर 4 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। श्री लोवंशी ने प्रतियोगिता में 50 मीटर फ्रीस्टाइल, 50 मीटर बैकस्ट्रोक, 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक एवं 50 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से नर्मदापुरम जिले को गौरव प्राप्त हुआ है। उत्कृष्ट उपलब्धि के बाद राहुल लोवंशी ने कलेक्टर सोमेश मिश्रा से भेंट की। इस दौरान उन्होंने खेलों के प्रति कलेक्टर के सकारात्मक दृष्टिकोण तथा जिला प्रशासन द्वारा खिलाड़ियों को दिए जा रहे मार्गदर्शन, सतत सहयोग एवं खेल प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन से मिलने वाला प्रोत्साहन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाता है और उन्हें खेल के मैदान में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।भेंट के दौरान श्री लोवंशी ने कलेक्टर सोमेश मिश्रा को प्रतियोगिता में प्राप्त चारों स्वर्ण पदक दिखाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने खिलाड़ी को पदक पहनाकर सम्मानित किया तथा उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, (वि./यॉ.)
लोक निर्माण विभाग, वि./यॉ. संभाग क्र.-2, बारह दफ्तर परिसर, जवाहर चौक, भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

सूचना प्रकाशन क्रमांक. 15/व.ले.लि./2026-27 भोपाल, दिनांक : 18/09/2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	एन.आई.टी.क्र.	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रं.	ठेके की अनु. राशि	धरोहर राशि	निविदा राशि
1	2026_PWDRB_536988_1	24/SAC/2026-27	आयटम फॉर रेफ्रिजरेटर,गीजर,इन्वर्टर,एवं आर ओ एट कीजन एट ओल्ड होटल पचमढी जिला नर्मदापुरम	तृतीय आमंत्रण	84479.00	1690.00	1000.00
2	2026_PWDRB_536989_1	32/SAC/2026-27	जोनल विद्युतीकरण कार्य एम.ओ.डब्ल्यू.,डिपाजिट कार्य वार्षिक मरम्मत एवं विशेष मरम्मत कार्य शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवन ब्लाक बैतूल भीमपुर चिचोली जिला बैतूल	द्वितीय आमंत्रण	1000000.00	20000.00	2000.00
3	2026_PWDRB_536990_1	36/SAC/2026-27	पोल शिफिटंग इन कन्स्ट्रक्शन ऑफ रोड गांव महुआखेडा से रूसल्ली (3.50 कि.मी.) जिला विदिशा	प्रथम आमंत्रण	881212.00	17624.00	2000.00
			योग :-		1965691.00		

नोट :- निविदा विक्रय दिनांक 21/09/2026 प्रातः 10:30 बजे से निविदा विक्रय अंतिम दिनांक 09/10/2026 सायं 5:30 बजे तक एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करना है। निविदा की निर्धारित तिथियों में या अन्य किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

जी/18942/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

(इंजी. हिमांशु उपाध्याय)
कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि.(वि./यां.) संभाग क्र.02 भोपाल

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com